आश्विन शुक्ल - 12 | संवत 2082 | वर्ष - 21 | अंक - 71 | पृष्ठ - 8 | रु. 5/- | बेंगलूरु » शनिवार » 04-10-2025 | www.dakshinbharat.com | Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

!! श्री अमर-मोती-गणपत-जयराम-शालिग्राम-आत्म-हेम-पद्म-अमर गुरूभ्यो नमः !! | !! श्रमण संघ जयवंत हो !! | ॐ ह्रीं श्रीं अर्हम् श्री चिंतामणि पार्श्वनाथाय नमो नमः | !! श्रमण संघ हो अविचल मंगल !! | श्री रूप-आत्म-आनन्द-देवेन्द्र-शिव-महेन्द्र-गणेश-मिश्री-सुकन-सुभद्र-पंकज गुरूभ्यो नमः

गुरु आत्म-शुक्ल-पद्म-शिव-महेन्द्र-सुभद्र-पंकज-वरुण जन्म - दीक्षा - पुण्य तिथि समारोह,

गुरु अमर संयम अमृत वर्ष महामहोत्सव

सचित्र जैन आगम विमोचन समारोह एवं विश्व शांति जप महोत्सव

गुरु आत्म
जन्म जयन्ति

ॐ
पुण्याहं
पुण्याहं...

श्रुत संवर्धन - विद्वत्सम्मान

प्रियन्ताम्
प्रियन्ताम्...

गुरु शुक्ल
जन्म जयन्ति

रविवार
5 अक्टूबर
2025

गुरु पद्म
पुण्य रजत जयन्ति वर्ष

गुरु शिव आचार्य पद चादर
समर्पण रजत जयन्ति वर्ष

मैं 'गुरू अमर संयम अमृत महामहोत्सव' के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करती हूँ।
द्रौपदी मुर्मु
(राष्ट्रपति-भारत गणराज्य)

विश्व शांति जाप
प्रातः 8:31 से 9:31 तक

गुणगान समारोह
प्रातः 9:31 से 12:31 तक

युवाचार्य महेन्द्र
जन्मोत्सव

गुरु पंकज
षष्ठी पूर्ति वर्ष

गुरु वरुण
संयम रजत जयन्ति वर्ष

गुरु सुभद्र
जन्म हीरक जयन्ति वर्ष

मैं पूज्य गुरूदेव श्री अमर मुनि जी महाराज के 'संयम अमृत महामहोत्सव' पर उनको नमन करते हुए महोत्सव के सफल आयोजन की कामना करता हूँ।
अमित शाह
(गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार)

गरिमामयी उपस्थिति

जगद्गुरू राष्ट्र संत
प.पू. आचार्य श्री वसंत विजयानंद गिरी जी म.सा.
श्री कृष्णगिरी तीर्थ शक्तिपीठाधीश्वर

समाज-रत्न, आदरणीय
श्रीमान् सा. थावरचंद जी गहलोत
माननीय राज्यपाल, कर्नाटक प्रदेश

श्रद्धाशील आदरणीय
श्री दिनेश गुंडू राव जी
माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, कर्नाटक

समाज-गौरव
श्रीमान् सा. लहरसिंह जी सिरोया जैन
माननीय राज्यसभा सांसद

युवारत्न
श्री तेजस्वीजी 'सूर्या' जैन
माननीय लोकसभा सांसद

समारोह स्थल : सरदार पटेल भवन, 16 थिम्मैया रोड, केन्ट रेल्वे स्टेशन के सामने, वसंतनगर, बैंगलोर

पावन निश्रा

जय गुरु बसंत | जय गुरु पुलकित | जय गुरु ध्यानयोग | जय गुरु रूपेश

जय गुरुणी निर्मला | जय गुरुणी आगमश्री | जय गुरुणी रिद्धिश्री | जय गुरुणी पावनरत्नाश्री

दक्षिण सम्राट **प.पू. उपप्रवर्तक श्री नरेश मुनि जी म.सा.** की सुशिष्याएँ
शासन प्रभाविका महासाध्वी **प.पू. श्री संस्कारनिधि श्री जी म.सा.** की सुशिष्याएँ
धर्म प्रभाविका साध्वी रत्ना परम पूज्या **श्री जिनांगनिधि श्री जी म.सा.**

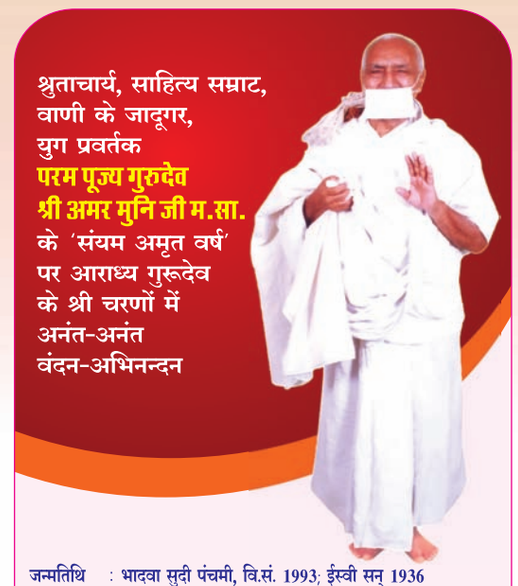

श्रुताचार्य, साहित्य सम्राट,
वाणी के जादूगर,
युग प्रवर्तक
परम पूज्य गुरुदेव
श्री अमर मुनि जी म.सा.
के 'संयम अमृत वर्ष'
पर आराध्य गुरूदेव
के श्री चरणों में
अनंत-अनंत
वंदन-अभिनन्दन

जन्मतिथि	: भादवा सुदी पंचमी, वि.सं. 1993; ईस्वी सन् 1936
जन्मभूमि	: क्वेटा, बिलोचिस्तान (वर्तमान पाकिस्तान में)
पिताश्री	: धर्मनिष्ठ सेठ श्री दिवानचंदजी मल्होत्रा
माताश्री	: नारीरत्ना श्रद्धाशील श्रीमती बसंतीदेवी जी मल्होत्रा
दीक्षा गुरू	: राष्ट्रसंत प.पू. प्रवर्तक भण्डारी श्री पद्म चंद्र जी म.सा.
दीक्षा भूमि	: सोनीपत मण्डी (हरियाणा)
भाषा ज्ञान	: प्राकृत, संस्कृत, हिंदी, गुजराती, पाली, उर्दू, अरबी, फारसी, गुरूमुखी (पंजाबी) आदि
अध्ययन	: गीता, वेद, पुराण, कुरान, बाईबिल, श्री गुरू ग्रंथ साहिब जी, उपनिषद, जैन आगम, धम्मपद त्रिपिटक आदि भारतीय एवं पाश्चात्य वांङ्मय के ज्ञाता एवं व्याख्याता
अलंकरण	: श्रमण संघीय मंत्री, उत्तर भारत केसरी, श्रुतवारिधी, प्रवचन भूषण, सरस्वती पुत्र, जैन धर्म दिवाकर, महाश्रमण, अध्यात्म युग पुरूष, उत्तर भारतीय प्रवर्तक आदि।
पद यात्राएं (विहार-विचरण क्षेत्र)	: दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हिमाचल, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, मंगलदेश आदि।
विशेषताएं	: अनुशासन प्रिय, समय के पाबंद, अद्भुत प्रवचनकार, कुशल साहित्यकार, अद्वितीय गुरूभक्ति, अनुपम वचन सिद्धि, अध्यात्म साधना के अमृत पुरूष, सर्व धर्म समन्वयक कुशल धर्म प्रवक्ता
विशेष कार्य	: • 20 वर्षों तक मौन साधना एवं जप-तप-ज्ञान-ध्यान आराधना • सैंकड़ों स्कूल, कॉलेज, हॉस्पीटल व धर्म स्थानों के संस्थापक • शताधिक युवक-युवतियों के दीक्षा प्रदाता • विश्व में प्रथम बार-सचित्र जैन आगमों (प्राकृत, हिंदी, इंग्लिश भाषा युक्त) के निर्माता • लाखों व्यक्तियों के व्यसन मुक्ति एवं सामायिक-साधना प्रेरक

समारोह अध्यक्ष
समाजरत्न परम गुरुभक्त
श्री महेन्द्र जी जैन
अध्यक्ष, पद्म प्रकाशन, पद्म धाम, नरेला, दिल्ली
चेयरमैन : अ. भा. श्रुताचार्य श्री गुरू अमर संयम अमृत महामहोत्सव समिति

ध्वजारोहण कर्ता
समाज रत्न
श्री रामनिवास जी जैन
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष-जैन कॉन्फ्रेंस
कार्यकारी अध्यक्ष, गुरू अमर संयम वर्ष आयोजन समिति

समारोह स्वागताध्यक्ष
परम गुरुभक्त
युवा रत्न
श्री शुभम जी जैन सुपुत्र
श्रद्धाशील श्री संजय जी जैन
पश्चिम विहार, दिल्ली

मंच संचालक प्रखर वक्त्री डॉ. श्वेता-निलेशजी राठौड़-कटारिया

गुरु भक्ति जैन संगीतकार युवा रत्न डी.के. जैन (दिलखुशभाई)

अति विशिष्ट अतिथि

- श्री अ. भा. श्वे. स्था. जैन कॉन्फ्रेंस (राष्ट्रीय एवं प्रांतीय, महिला युवा समस्त शाखाएं)
- श्री अ. भा. श्रमण संघीय श्रावक समिति (राष्ट्रीय एवं प्रांतीय, महिला युवा समस्त शाखाएं)
- श्री जैन महासंघ, बैंगलोर
- श्री जैन महासंघ चैन्नई
- श्री जैन महासंघ, दिल्ली
- श्री मंगलदेश जैन महासंघ
- श्री उत्तरी भारत जैन महासभा (पंजाब)
- श्री हरियाणा जैन महासभा
- भारतवर्ष के सकल श्रीसंघ एवं समस्त शिक्षा-चिकित्सा, जीवदया व जनकल्याणकारी संस्थाओं के समस्त पदाधिकारी एवं सदस्यगण

आगम विमोचनकर्ता पुण्यवंत परिवार

सचित्र भक्तामर महिमा-विमोचनकर्ता लाभार्थी परिवार
युवारत्न परम गुरूभक्त **श्री रवि जी-कुनाल जैन,** अरिहंत नगर, दिल्ली

सचित्र श्री उत्तराध्ययन सूत्र-विमोचनकर्ता लाभार्थी परिवार
युवारत्न परम गुरूभक्त **श्री सुधीरजी-श्री मंधीरजी जैन**
दीपाली एन्कलेव, दिल्ली

सचित्र श्री भगवती सूत्र (भाग-8)-विमोचनकर्ता लाभार्थी परिवार
परम गुरूभक्त **श्री अनिलजी**-श्रद्धाशील **श्रीमती मंजू जी जैन**
विश्वा अपार्टमेंट, रोहिणी, दिल्ली

सचित्र अमर कथाएँ-विमोचनकर्ता लाभार्थी परिवार
युवारत्न परम गुरूभक्त **श्री सन्दीप जी-दीपक जैन,** मानसा मंडी, पंजाब

आयम्बिल तप आराधना लाभार्थी
परम गुरूभक्त श्रीमान् सा. अमरचंदजी, गौतमचंदजी, महावीर कुमारजी, विनोदकुमारजी गांधी परिवार, सुदर्शन इलेक्ट्रिकल्स, राजाजीनगर, बैंगलोर

लक्की ड्रॉ पुरस्कार के लाभार्थी
युवारत्न श्री चेतन जी रैदासनी-श्रद्धाशील श्रीमति रश्मि जी रैदासनी सुश्री ऋद्धिजी, सिद्धिजी, लब्धिजी रैदासनी, राजाजीनगर, बैंगलोर

श्री वरुण गुरुदेव के जीवन पर आधारित डॉक्यूमेंट्री के लाभार्थी
परम गुरूभक्त सेवाभावी प्रा. प्रकाश जी एवं प्रा. सुरेखा जी कटारिया
चिंचवड, महाराष्ट्र

प्रभावना के लाभार्थी
पेन एवं प्रसाद के लाभार्थी : उदारमना परम गुरूभक्त श्रीमान् सा. उगमराजजी लुणावत श्री कमल किशोरजी संतोष कुमार जी-शीतल कुमार जी लुणावत, राजाजीनगर
कीचेन के लाभार्थी : परम गुरूभक्त श्रीमान् सा. संपतलाल, अरविंदकुमार, राजेशकुमार ढ़ीलीवाल (बैंगलोर)
वैयावच्च के लाभार्थी : परम गुरूभक्त श्रीमान् सा. दिनेश जी, ऋषभ ढ़ीलीवाल (बैंगलोर)

गुरु अमर सेवा सम्मान

संघ प्रमुख **श्री राजेश जी मेहता** को आपकी उत्कृष्ट सामाजिक धार्मिक व जन कल्याणकारी सेवाओं हेतु **संघ शिरोमणि दानवीर भामाशाह सम्मान**

नारी रत्ना **श्रीमती संतोषजी जैन** (राष्ट्रीय महिला अध्यक्षा, जैन कॉन्फ्रेंस) को 75000 राशन किट जरूरतमंद लोगों के लिए वितरण करवाने तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, अन्नदान आदि के माध्यम से मानव सेवा के अनुकरणीय कार्यों के लिए **गुरु अमर मानव सेवा सम्मान**

युवा रत्न **श्री विपुल जी जैन** (राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष, जैन कॉन्फ्रेंस) को 75000 वृक्षारोपण करने व करवाने एवं शिक्षा, सेवा, अन्नदान आदि के माध्यम से अनुकरणीय कार्यों तथा जिनशासन की समर्पित सेवा के लिए **गुरु अमर भक्तरत्न सम्मान**

सुश्री **डॉ. प्रियंका जी जैन** (प्रसिद्ध ज्योतिषी एवं वास्तु विशेषज्ञ) को आपकी शैक्षणिक, साहित्य, सामाजिक एवं जन-कल्याणकारी सेवाओं हेतु **गुरु अमर श्रुत सेवा सम्मान**

सौजन्य ▶ पद्म प्रकाशन, पद्म धाम ट्रस्ट, नरेला मण्डी, दिल्ली | गुरु अमर जैन इंटरनेशनल वेलफेयर फाउण्डेशन लुधियाना, पंजाब | गुरु पद्म-अमर सेवा समिति दिल्ली | गुरु पद्म-अमर सेवा फाउण्डेशन दिल्ली

आप सभी ससंघ–सपरिवार ईष्ट मित्रों सहित सादर आमंत्रित हैं। मंगलपाठ के पश्चात् गौतम प्रसादी ग्रहण कर हमें आतिथ्य सत्कार का लाभ दिरावें

निवेदक : अखिल भारतीय श्रुताचार्य श्री गुरु अमर संयम अमृत महामहोत्सव आयोजन समिति

आयोजक : श्री गुजराती वर्धमान स्थानकवासी जैन संघ, गांधीनगर, बैंगलोर
सहयोगी संस्थाएं : श्री गुजराती महिला मंडल | श्री गुजराती युवक मंडल

!! कार्यवाहक समिति का जय-जिनेन्द्र !!

चेन्नई में ज्योति महोत्सव :

गुरु सत्य ज्वाला ने सुनाए माता ज्वालामालिनी के ष्टांत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के सैदापेट के नाहर भवन में संजीवनी ज्वाला सेवा मंडल के तत्वावधान में गुरु सत्यज्वाला जी की पावन निश्रा में 'मंगल पाठ, जाप एवं ज्योति महोत्सव' का आयोजन रविवार रात को किया गया। समारोह का शुभारंभ माता रानी के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ। इस मौके पर गुरु सत्य ज्वालाजी ने अपने प्रवचन के दौरान ज्वालामालिनी माता की असीम महिमा का विस्तृत वर्णन करते हुए कई प्रेरक दृष्टांत सुनाए। उन्होंने अपनी ज्वालामालिनी माता की साधना के 27 वर्षों के अनुभव का संक्षिप्त विवरण भी भक्तों के साथ साझा किया। शांत और भक्तिपूर्ण वातावरण में उपस्थित सभी भक्तों ने ज्वाला मैया के 108 जाप किए। इसके बाद, सुख-समृद्धि की कामना के लिए 'मन्नत कलश' में श्रद्धापूर्वक मन्नत पर्ची डाली गई। गुरुदेव ने स्वयं इन सभी मन्नत पर्चियों पर कुमकुम से अर्चना की। कार्यक्रम का समापन माता रानी को ज्योत अर्पण करने और भव्य आरती के साथ हुआ।ङ्क'ज्योत' चढ़ाने का पावन सौभाग्य फतेहचंद अंबानी और सुंदरलाल दुग्गड़ के परिवार को प्राप्त हुआ। इसके साथ ही, पदमसिंह, विनयकुमार, तरुण, करण मुनोथ परिवार ने भी यह पुण्य लाभ लिया। अन्य लाभार्थियों में गौतमचंद अरुण कुमार लोढ़ा परिवार शामिल रहा। इस अवसर पर, छत्तीसगढ़ के दुर्ग से आईं अंजू पारेख एवं महावीर ढोका और उषा परमार ने गुरुदेव को वंदन करते हुए भक्ति गीतों की झड़ी लगा दी जिससे खचाखच भरे हुए हॉल में सभी भक्त भक्तिरस में डूब गए। संचालन मधु गुलेचा ने किया।

आध्यात्मिक शक्तियों का जागरण करता है आयम्बिल तप : साध्वी पुण्ययशा

आरआर नगर में 66 दिवसीय आयम्बिल तपस्वी का सम्मान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ भवन आरआरनगर में साध्वीश्री पुण्ययशाजी के सान्निध्य में शुक्रवार को वर्धमान ओली तप अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया। इस मौके पर साध्वीश्री ने कहा कि विभिन्न प्रकार की तपस्याओं में आयम्बिल तप का एक विशेष महत्व होता है। आयम्बिल से कर्म निर्जरा के साथ-साथ विघ्न निवारण, उपद्रवों की उपशांति, आध्यात्मिक शक्तियों का जागरण तथा शारीरिक, मानसिक व भावनात्मक स्वास्थ्य-व्याधियों का शमन होता है। तेरापंथ धर्मसंघ में साध्वी मीराजी ने 13 माह, मुनिश्री जीवोजी ने वर्धमान 'ओली-तप' पूरा किया अर्थात एक आयंबिल से 100 आयंबिल तक लड़ीबंध तप किया। इसी क्रम में श्रावक मनोहरलाल चावत ने 66 दिनों तक आयम्बिल तप किया। राजाराजेश्वरी नगर के श्रावक समाज ने मनोहरलाल के तप अनुमोदनार्थ सामूहिक रूप से 66 आयम्बिल कर सम्मान किया।

तपस्वी मनोहरलाल ने जीवन भर अपने शरीर पर स्वर्ण-चांदी के आभूषण पहनने से त्याग का संकल्प किया तथा ब्रह्मचर्य व्रत की साधना स्वीकार की। साध्वीश्री विनितयशाजी ने आयम्बिल तप की महत्ता बताई। साध्वी वर्धमानयशाजी एवं बोधिप्रभा जी ने गीतिका के माध्यम से तप अनुमोदना की। सभा की उपाध्यक्ष सरोज बैद ने सभी का स्वागत किया।

तेरापंथी सभा, युवक व महिला मंडल के सदस्यों सहित सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़, सुरेश दक, निर्मल चावत ने अपने विचार व्यक्त किए। मनोज डागा ने साध्वी प्रमुखाश्री के तप-अनुमोदना पत्र का वाचन किया। सभा, तेयुप व महिला मंडल की ओर से तपस्वी का सम्मान किया गया। मंच का संचालन वंदना भंसाली ने किया।

बेंगलूरु बनाम अनंतपुर : कर्नाटक-आंध्र प्रदेश के आईटी मंत्रियों के बीच तकरार

बेंगलूरु। कर्नाटक के आईटी मंत्री प्रियांक खरगे और आंध्र प्रदेश के आईटी मंत्री नारा लोकेश के बीच सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है। बेंगलूरु की खराब सड़कों और बुनियादी ढांचे के कारण कंपनियों के बाहर जाने की खबरों के बीच लोकेश ने आंध्र प्रदेश के अनंतपुर को वैकल्पिक हब के रूप में पेश किया, जिस पर खरगे ने 'परजीवी' जैसी टिप्पणी की।

आंध्र प्रदेश के मंत्री नारा लोकेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक रिपोर्ट साझा करते हुए कहा था कि बेंगलूरु के आउटर रिंग रोड (ओआरआर) की स्थिति बिगड़ने से स्टार्टअप्स प्रभावित हो रहे हैं और कंपनियां उत्तर बेंगलूरु या व्हाइटफील्ड जा रही हैं। उन्होंने तंज कसते हुए लिखा, नॉर्थ सुनने में अच्छा लगता है। थोड़ा और नॉर्थ में अनंतपुर है, जहां हम विश्व स्तरीय एयरोस्पेस और डिफेंस इकोसिस्टम बना रहे हैं।

इस पर कर्नाटक सरकार में मंत्री प्रियांक खरगे ने पलटवार किया। उन्होंने आंध्र प्रदेश को 'कमजोर इकोसिस्टम' करार दिया। उन्होंने बेंगलूरु की मजबूती का हवाला देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, कमजोर इकोसिस्टम का मजबूत इकोसिस्टम से फायदा उठाना स्वाभाविक है।

इसमें कुछ गलत नहीं है, लेकिन जब यह जरूरत से ज्यादा हो जाता है, तो यह ताकत के बजाय कमजोरी दिखाता है। बेंगलूरु का जीडीपी 2035 तक 8.5 प्रतिशत की दर से बढ़ेगा, जो इसे दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ने वाला शहर बनाएगा। 2025 में बेंगलूरु का प्रॉपर्टी मार्केट 5 प्रतिशत बढ़ेगा। साथ ही, सैविल्स ग्रोथ हब्स इंडेक्स के अनुसार, 2033 तक बेंगलूरु शहरीकरण, आर्थिक विकास और इनोवेशन में वैश्विक शहरों को पीछे छोड़ देगा।

उन्होंने आगे कहा, 2025 में बेंगलूरु की शहरी आबादी 1.44 करोड़ होगी, जिसमें सालाना 2.76 प्रतिशत की वृद्धि होगी। हम भारत के उन शहरों में से हैं, जो सबसे ज्यादा प्रवासी लोगों को बसाते हैं। सरकार तेजी से विकास के लिए बुनियादी ढांचा बना रही है और बनाती रहेगी। वैसे, ऐसा जीव जो किसी अन्य प्रजाति के जीव पर या उसके अंदर रहता है और उससे पोषक तत्व लेकर लाभ उठाता है, उसे कहते हैं? लोकेश ने राज्य की युवा आबादी के लिए रोजगार सृजन और निवेश आकर्षित करने पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने कर्नाटक सरकार में मंत्री प्रियांक खरगे को 'सड़कों पर गड्ढों' को ठीक करने की सलाह दी। उन्होंने कहा, भारत का सबसे युवा राज्य होने के नाते हम विकास और रोजगार के अवसर पैदा करने के हर मौके की तलाश में हैं।

मेरा दृढ़ विश्वास है कि जब राज्य निवेश और रोजगार के लिए एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा करेंगे, तो भारत तरक्की करेगा। मेरा विनम्र सुझाव है कि जैसे सड़कों पर गड्ढे होते हैं, उन्हें पहले ठीक कर लेना चाहिए, वरना यात्रा में रुकावट आ सकती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विसर्जन

बेंगलूरु के उत्तर में यलहंका के कट्टगनहल्ली की नवदुर्गा पूजा समिति के तत्वावधान में नवरात्रि उत्सव धूमधाम से सम्पन्न हुआ। गुरुवार को जगतजननी मातेश्वरी दुर्गा की शोभायात्रा निकाली गई तथा जक्कूर लेक में माताजी एवं अन्य प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दुर्गा नवमी

नवरात्रि के उपलक्ष्य में बेंगलूरु की विवेकनगर महिला मंडली द्वारा दुर्गा नवमी के अवसर पर डांडिया-गरबा नृत्य का आयोजन किया गया जिसमें युवतियों व महिलाओं ने माता रानी की प्रतिमा के समक्ष पूरी श्रद्धा व आस्था से डांडिया व गरबा किया तथा भजनों के साथ परिवार की खुशहाली के लिए कामना की।

बहुत ही दयालु व क्षमाशील संत थे आचार्य भूधर : संतश्री ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी के सान्निध्य में आचार्यश्री भूधरजी की जयंती एवं स्मृति दिवस समारोह मनाया गया। इस अवसर पर ज्ञानमुनिजी ने कहा कि विजयादशमी राम की महिमा का दिन है। आज के दिन रावण मरा और अहंकार समाप्त हुआ। रावण के खात्मा से ही सत्य, न्याय और राम की विजय हुई। रावण का अभिमान इतना था कि आज भी उसको जलाया जाता है। संतश्री ने कहा कि मनुष्य की महिमा उसके गुणों से होती है। मानव कहां बैठा है वह महत्वपूर्ण नहीं होता है, बल्कि उसमें क्या गुण हैं वह मायने रखता है। जो महान संत होते थे, वे हमेशा नीचे ही बैठते थे। मनुष्य को पहले से ही ऐसे जगह बैठना चाहिए, जहां से कोई उठाए ना। नीचे बैठने से कोई अज्ञानी नहीं होता है। जब मनुष्य में संस्कार का बीज आता है तो उसका महत्व बढ़ जाता है। जन्मजात कोई श्रेष्ठ नहीं होता है। यह सब मनुष्य के गुणों का ही खेल होता है। मनुष्य की महिमा ज्ञान, गुण और त्याग से गाई जाती है। ऐसे ही मरुधरा के प्राण आचार्यश्री भूधर जी का जीवन भी था। मनुष्य में अगर गुण है तो सब अच्छा है। अगर गुण नहीं है तो सुंदरता काम नहीं आती है। संतश्री ने भूधरजी के जीवन से जुड़े अनेक दृष्टांत सुनाए। संत बहुत ही समता भाव के होते हैं। संत का काम हमेशा शांति और संयम रखने का होता है। जो सदा अध्ययन करने के साथ अध्ययन कराते हैं उन्हें उपाध्याय कहते हैं। उपाध्याय में ज्ञान का भंडार होता है। मनुष्य राग, द्वेष से हटेगा तब उसका काम पूरा होगा। भूधरजी महाराज बहुत ही तपस्वी थे। महापुरुषों में अगर ज्ञान, ध्यान और गुण होता है तो उसका सुगंध अपने आप ही फैल जाता है। भूधरजी महाराज बहुत ही दयालु थे। वे बहुत ही क्षमाशील थे। उन्होंने अपने तप और साधना से जीवन का उद्धार कर लिया। ऐसे महापुरुषों के जीवन के बारे में सुन कर अपने जीवन को बदलने का प्रयास करना चाहिए। प्रवचन में जैन संत कांतिमुनिजी के संथारा संलेखना सहित समाधि मरण पर गुरुदेव ने उनके सेवा भाव का उल्लेख करते हुए अपनी और संघ की ओर से श्रद्धांजलि दी। कोषाध्यक्ष मनोहर लाल मुथा ने सभी का आभार व्यक्त किया। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन किया।

'कुबेर का खजाना' विषयक व्याख्यान 12 को

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय नारायण रेकी सत्संग परिवार के तत्वावधान में 12 अक्टूबर को प्रेस्टीज सेंटर आडिटोरियम में 'कुबेर का खजाना' नामक व्याख्यान कार्यक्रम होगा जिसमें सुबह 9 बजे से नारायण रेकी संस्थान की संस्थापिका राज दीदी अपना व्याख्यान देंगी। इस कार्यक्रम से एकत्रित धनराशि का उपयोग मुफ्त होम्योपैथिक क्लिनिक, कैट्रेक्ट की सर्जरी और कई अन्य सामाजिक सेवाओं के लिए किया जाएगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पुतलों को जलाने से नहीं मिटेंगी बुराइयां : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। स्थानीय राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में अंतहीन राम-रावण युद्ध विषय पर आचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि पुतलों को जलाकर लोग सिर्फ भ्रमित होते हैं कि अधर्म पर धर्म की जीत हो गई। हकीकत में ऐसा नहीं हो रहा। सदियों से रावण का दहन किया जा रहा है, फिर भी अधर्म तो फैलता ही जा रहा है और धर्म कमजोर पड़ता जा रहा है। दरअसल, पुतलों को जलाकर संतुष्ट होना पलायनवादिता है। अधर्म के नाश की इस भ्रमित मानसिकता से समाज का कुछ भी भला नहीं हो रहा। पुतले जलाने से रावण का कुछ नहीं बिगड़ रहा और पुतलों के दहन से बुराइयों का दहन नहीं हो रहा। अगर प्रतीकात्मक रावण दहन से बुराइयां मिटती होतीं तो अब तक संसार का बहुत भला हो गया होता। जबकि सच्चाई यह है कि दिन प्रतिदिन बुराइयां बढ़ती जा रही हैं। दुराचार और व्यभिचार सारी मर्यादाएं लांघकर बेरोकटोक चल रहे हैं। ङ्कजैनाचार्य ने कहा कि आज के जमाने में यदि रावण जिंदा होते तो वे भी यह देखकर अवाक रह जाते कि चलो मुझसे बड़े पाप-अपराध तो यहां आसानी से किए जा रहे हैं ! मेरा अपराध बड़ा नहीं है ! पूरी ईमानदारी से सोचें तो पता चलता है कि आधुनिक भोगवादी युग में कुछ साधु-संतों और कुछ सदाचारी गृहस्थों के अलावा दुराचार को रोकने की वकालत करने वाला कोई नहीं है। हर क्षेत्र के नायक गूंगे-बहरे होकर सब देखते जा रहे हैं। कोई आवाज नहीं उठती। कुछ मामलों में मुजरिम पकड़े जाते हैं, उन्हें छोटी-बड़ी सजा हो जाती है, लेकिन वे आसानी से छूट भी जाते हैं। इतना सब होने के बावजूद पाप-अपराध कम नहीं हो रहे हैं। लोग रावण के पुतले जलाकर बहादुरी बता रहे हैं, लेकिन घर में और गली-मोहल्ले, बाजार व समाज में हजारों-लाखों जिंदे रावण बिंदास घूम रहे हैं। उनको रोकने की शक्ति किसी के पास दिखाई नहीं दे रही। सिर्फ पुतले जलाना तो अज्ञानता और अन्यायपूर्ण प्रक्रिया है। यह तो निष्क्रिय और उदासीन समाज का उहापोह मात्र है। इसमें फायदा कुछ भी नहीं है। आचार्य विमलसागरसूरीजी ने समझाया कि रावण ने तो सीता मैया का स्पर्श तक नहीं किया था। फिर भी उसको हजारों वर्षों से सजा दी जा रही है और दूसरी तरफ आधुनिक भारत में कोर्ट और कानून के शिकंजे से बलात्कारी भी आसानी से छूट जाते हैं, यह कैसा न्याय है ? ऐसे ज्यादातर मामलों में पीड़ित छोटे लोग पुलिस और कोर्ट तक जाते भी नहीं हैं, क्योंकि उनका विश्वास टूट चुका है। उन्हें पता है कि जिनके हाथ लंबे हैं, पुलिस और कानून उनके काम आएंगे। यह बहुत ही आघातजनक और जटिल प्रक्रिया है। जैन संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना ने बताया कि धर्मसभा में मुमुक्षु दीक्षा छाजेड़ का संघ की ओर से सम्मान किया गया जिनकी दीक्षा नवंबर माह में नागपुर में होगी।

आयम्बिल तपस्वियों ने ग्रहण किया सामूहिक प्रत्याख्यान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के तेरापंथ महिला मंडल राजराजेश्वरीनगर द्वारा साध्वीश्री पुण्ययशाजी के सान्निध्य में तपस्वी मनोहरलाल चावत के आयंबिल ओली तप की अनुमोदना करते हुए सामूहिक आयंबिल तप आयोजित किया। साध्वीश्री ने आयंबिल करने वाले तपस्वियों को सामूहिक प्रत्याख्यान करवाया। साध्वीश्री ने कहा कि तप का महत्व तो है ही, परंतु सामूहिक रूप से तप करने का और ज्यादा महत्व होता है, इससे धर्मसंघ की प्रभावना में वृद्धि होती है। संयोजिका निशा छाजेड़ ने कार्यक्रम का संयोजन किया।इस सामूहिक आयंबिल अनुष्ठान के प्रायोजक मनोहरलाल चावत परिवार का तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्ष मंजु बोथरा आदि ने सम्मान किया। मंत्री वंदना भंसाली ने धन्यवाद दिया।

समता के भंडार होते हैं साधु : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागडी रोड़ स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर दरबार में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी ने नव पद आयम्बिल ओली आराधना साधना के पांचवें दिन नवकार महामंत्र के पंचम साधु पद पर विवेचना करते हुए कहा कि नवपद में बीच में यह पंचम साधु पद आठ पदों का आधार हैं। नव पद में सबसे मुख्य यह साधु का पद है। भगवान महावीर को वैशाख सुदी दशम को केवल ज्ञान हुआ था परंतु जब गौतम आदि ग्यारह गणधर ने प्रभु के पास दीक्षा ली और वे सब साधु बने तब ही तीर्थंकर भगवान महावीर ने शासन की स्थापना की। उन्होंने कहा कि साधु पद का इतना महत्वपूर्ण है। साधु-साध्वी चलते फिरते तीर्थ हैं। उन्होंने आगे साधु पद की तुलना कल्पवृक्ष, कामधेनु गाय और पारस पत्थर से करते हुए कहा कि इनसे कई बढ़ कर साधु पद का महत्व है जो हमारी सभी आधि, व्याधि और उपाधि को मिटाते हुए अमृत के समान जीवन के जन्म मरण को मिटा देते हैं। साधु पद प्राप्त करके ही फिर आप अरिहंत, सिद्ध और गुरु तत्व में रहे उच्च पद को प्राप्त कर सकते हैं। जो दूसरों की सहायता करते हैं वो साधु है। जो प्रत्येक अनुकूल-प्रतिकूल परिस्थिति में समभाव रहता है वह सच्चा साधक है। ङ्कशालिभद्रमुनिजी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए गुरु पुष्कर जयंती पर आयोजित किए जा रहे आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। साध्वी समृद्धिश्रीजी ने श्रीपाल चारित्र का वाचन करते हुए कहा कि साधना के शिखर पुरुष, विश्व सन्त उपाध्याय पुष्करमुनिजी भी नवकार महामंत्र के आराधक थे। साध्वी सुप्रभाजी व समृद्धिश्रीजी ने गुरुवार को संलेखना संथारा सहित देवलोक गमन हुए कांतिमुनिजी के प्रति श्रद्धाभाव व्यक्त किए।

भव्य जम्बो सवारी के साथ मैसूरु दशहरा संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक के मैसूरु शहर में 11 दिनों तक चलने वाले विश्व प्रसिद्ध दशहरा उत्सव का बृहस्पतिवार को विजयादशमी के भव्य शोभायात्रा के साथ समापन हो गया। 'नाड हब्बा' (राज्य उत्सव) के रूप में मनाया जाने वाला 'मैसूरु दशहरा या शरणा नवरात्रि' उत्सव इस साल कर्नाटक की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं को शाही धूमधाम और गौरव के साथ प्रदर्शित करने का मंच बना। हजारों लोग 'जम्बो सवारी' देखने के लिए जुटे। 'अभिमन्यु' नाम के हाथी के नेतृत्व में एक दर्जन सजे-धजे हाथियों की शोभायात्रा निकली। अभिमन्यु की पीठ पर मैसूरु और यहां के राजपरिवार की अधिष्ठात्री देवी चामुंडेश्वरी का विग्रह 750 किलोग्राम के 'स्वर्णिम हौदा' या 'अंबरी' में स्थापित किया गया। भव्य शोभायात्रा मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या द्वारा अपराह्न एक बजे से 1.18 बजे के बीच शुभ धनुर 'लग्न' के दौरान राजसी अम्बा विलास पैलेस के बलराम द्वार पर नंदी ध्वज की पूजा के साथ शुरू हुई। नंदी ध्वज की पूजा करने के बाद सिद्दरामय्या ने राज्य के लोगों को विजयादशमी की शुभकामनाएं दीं। कर्नाटक की विरासत को दर्शाने वाले विभिन्न जिलों के सांस्कृतिक समूहों और झांकियों से युक्त यह शोभायात्रा लगभग पांच किलोमीटर की दूरी तय कर बन्नीमंडप पहुंची। सरकारी विभागों की योजनाओं, कार्यक्रमों और सामाजिक संदेशों को दर्शाती झांकियां भी इसमें शामिल थी। शोभायात्रा शुरू होने से कई घंटे पहले ही रास्ते में भारी भीड़ देखी गई।इस दौरान हल्की बारिश हुई।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और पूर्व मैसूरु राजघराने के वंशज यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार सहित गणमान्य व्यक्ति शाम 4.42 बजे से 5.06 बजे के बीच शुभ कुंभ 'लग्न' में देवी चामुंडेश्वरी के विग्रह पर पुष्प वर्षा कर 'जम्बो सवारी' को रवाना किया। देवी के विग्रह को हाथी की पीठ पर रखे हौदे में स्थापित किया गया था। इस दौरान नगर की अधिष्ठात्री देवी को 21 तोपों की सलामी दी गई। 'अभिमन्यु' नामक हाथी ने छठी बार मां चामुंडेश्वरी को नगर भ्रमण कराया और उसके साथ कुमकी हथिनी कावेरी और रूपा थीं। विशेष रूप से बनाए गए मंच से गणमान्य व्यक्तियों ने देवी को पुष्प अर्पित किए।

आश्विन शुक्ल - 12 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 71 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 04-10-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 राहुल गांधी भारत विरोधी ताकतों के झंडाबरदार बन गए हैं : भाजपा

6 एक-दूसरे के पूरक हैं मनुष्य और पशु

7 मैं मौजूदा स्थिति को चुनौती देने से कभी नहीं डरी : दीपिका पादुकोण

फर्स्ट टेक

ट्रंप ने हमास को कल तक की मोहलत दी

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को दो टूक कहा कि अगर हमास गाजा पट्टी के लिए प्रस्तावित शांति समझौते पर रविवार शाम छह बजे तक सहमत नहीं होता है, तो चरमपंथी समूह को और अधिक हमलों का सामना करना पड़ेगा। ट्रंप ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, हमास के साथ रविवार शाम छह बजे (वाशिंगटन डीसी के समयानुसार) तक समझौता हो जाना चाहिए। उन्होंने लिखा, हर देश ने इस पर हस्ताक्षर कर दिए हैं! अगर समझौते के इस आखिरी मौके में सफलता नहीं मिलती है, तो हमास पर ऐसा कहर टूटेगा, जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। पश्चिम एशिया में किसी न किसी तरह से शांति कायम की जाएगी। ट्रंप ने इस हफ्ते की शुरुआत में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ हुई बातचीत के बाद गाजा पट्टी में युद्ध समाप्त करने के लिए एक योजना पेश की थी।

अंडमान स्थित भारत का एकमात्र मिट्टी का ज्वालामुखी 20 साल बाद फिर सक्रिय

पोर्ट ब्लेयर/भाषा। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के बारातांग में दो दशक से अधिक समय से निष्क्रिय भारत का एकमात्र मिट्टी का ज्वालामुखी (मड वोल्केनो) फिर से सक्रिय हो गया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दो अक्टूबर को यह ज्वालामुखी बहुत ही भयानक ध्वनि के साथ फटा। अधिकारी ने कहा, यहां का मिट्टी का ज्वालामुखी धरती के अंदर सड़ रहे जैविक पदार्थों से उत्पन्न गैसों से बनता है। ये गैसें मिट्टी और गैस को सतह पर धकेलती हैं, जिससे बुलबुले बनते हैं और गड्ढों की संरचना उभरती है। यह अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के दर्शनीय स्थलों में से एक है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, हमें बृहस्पतिवार (दो अक्टूबर) दोपहर करीब डेढ़ बजे बाराटांग के जारवा क्रीक में एक मिट्टी के ज्वालामुखी में भीषण विस्फोट की सूचना मिली। इतना बड़ा विस्फोट आखिरी बार 2005 में हुआ था। विस्फोट के बाद कर्णभेदी आवाज आई, जो किसी धमाके जैसी थी।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने कम से कम 12 विमान खोए : वायुसेना प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने शुक्रवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय हमलों में एफ-16 जेट सहित कम से कम एक दर्जन पाकिस्तानी सैन्य विमान नष्ट हो गए या क्षतिग्रस्त हुए। उन्होंने पाकिस्तान द्वारा भारत को नुकसान पहुंचाने के दावे को ''मनोहर कहानियां'' बताया।

वायुसेना प्रमुख ने कहा कि भारतीय कार्रवाई में पाकिस्तान में कई सैन्य ढांचों को भी नुकसान पहुंचा, जिनमें तीन स्थानों पर हैंगर, कम से कम चार स्थानों पर रडार, दो स्थानों पर कमान और नियंत्रण केंद्र और दो स्थानों पर रनवे शामिल हैं।

वह वार्षिक वायुसेना दिवस से कुछ दिन पहले एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद विभिन्न आतंकवादी समूहों द्वारा अपने ठिकानों को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में स्थानांतरित करने की खबरों के बारे में उन्होंने कहा कि यह अपेक्षित था और भारतीय वायु सेना उनके ठिकानों पर सटीक निशाना लगाने के लिए अंदर तक जाकर हमला कर सकती है। उन्होंने कहा, हम उन्हें और उनके ठिकानों को नष्ट कर सकते हैं। इसलिए, हमारे विकल्प नहीं बदले हैं। इस मामले में हमारे विकल्प वही रहेंगे।

एयर चीफ मार्शल सिंह ने स्पष्ट संकेत दिया कि ऑपरेशन के दौरान प्रदर्शन के बाद भारत एस-400 वायु रक्षा मिसाइल प्रणालियों के अतिरिक्त बैच खरीद सकता है।

विभिन्न सवालों के जवाब में, उन्होंने खुफिया रिपोर्टों और इलेक्ट्रॉनिक निगरानी के माध्यम से एकत्र किए गए सबूतों का हवाला देते हुए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को हुए नुकसान का विवरण दिया। उन्होंने कहा, खुफिया रिपोर्ट से हमें जो जानकारी मिली है, उसके अनुसार इन हमलों के कारण, कम से कम चार जगहों पर रडार, दो जगहों पर कमान और नियंत्रण केंद्र, दो जगहों पर रनवे और फिर तीन अलग-अलग स्टेशन पर उनके तीन हैंगर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। उन्होंने कहा कि हमें एक सी-130 श्रेणी के विमान, एक ''प्रारंभिक चेतावनी व नियंत्रण प्रणाली'' श्रेणी के विमान और कम से कम चार से पांच लड़ाकू विमानों, जिनमें संभवतः एफ-16 शामिल हैं, को नुकसान पहुंचने के संकेत मिले हैं।

वायुसेना प्रमुख ने कहा कि 300 किलोमीटर से अधिक दूरी तक मार करने वाले लंबी दूरी के हमले के स्पष्ट सबूत हैं, जिसमें एफ-16 और जेएफ-17 श्रेणी के पांच आधुनिक लड़ाकू विमानों को भी निशाना बनाया गया।

अस्थिर दुनिया में भारत स्थिरता का आधार : आरबीआई गवर्नर

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि भारत का वृहद आर्थिक बुनियादी ढांचा लगातार मजबूत बना हुआ है और देश अस्थिर दुनिया में स्थिरता का आधार बन गया है। गवर्नर ने यहां कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन 2025 में देश की मजबूत बुनियाद का श्रेय कम मुद्रास्फीति, अच्छे विदेशी मुद्रा भंडार, कम चालू खाता घाटा और देश के बैंकों व कॉरपोरेट जगत के मजबूत बहीखाते को दिया। मल्होत्रा ने कहा, यह सरकार के नीति निर्माताओं, नियामकों और विनियमित संस्थाओं के संयुक्त प्रयासों का नतीजा है। कुल मिलाकर, हाल की मुश्किलों के बावजूद अर्थव्यवस्था मजबूत वृद्धि के साथ अच्छी तरह से स्थिर होती दिख रही है। यह एक बड़ी उपलब्धि है, जो भारत को अस्थिर दुनिया में स्थिरता के आधार के रूप में स्थापित करती है।

'नए आपराधिक कानूनों से न्याय प्रक्रिया सरल हुई'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुरुक्षेत्र/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि तीन नए आपराधिक कानूनों के लागू होने से न्याय प्रक्रिया सरल और समयबद्ध होगी। उन्होंने कहा कि 2026 के बाद किसी भी प्राथमिकी का निपटारा औसतन तीन साल में हो जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि नए कानून-- भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए)-- देश में आपराधिक न्याय प्रणाली को बदलने जा रहे हैं।

शाह हरियाणा के कुरुक्षेत्र में तीन नए आपराधिक कानूनों पर एक सप्ताह तक चलने वाली प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोगों में यह धारणा है कि यदि वे पुलिस थाने जाएंगे, तो उन्हें वर्षों तक न्याय नहीं मिलेगा।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि 2026 के बाद किसी भी प्राथमिकी का निपटारा औसतन तीन साल में हो जाएगा और न्याय सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि नए कानूनों के लागू होने के एक वर्ष में देश भर में दर्ज 53 प्रतिशत आपराधिक मामलों में आरोप पत्र 60 दिनों के भीतर, 65 प्रतिशत मामलों में आरोप पत्र 90 दिनों के भीतर दायर किए गए, जबकि हरियाणा में 71 प्रतिशत आरोप पत्र 60 दिनों के भीतर तथा 83 प्रतिशत आरोप पत्र 90 दिनों के भीतर दायर किए गए। शाह ने कहा कि नए आपराधिक कानून के लागू होने के बाद हरियाणा में दोषसिद्धि की दर दोगुनी होकर 80 प्रतिशत हो गई है।

एस-400 वायु रक्षा प्रणालियों की अतिरिक्त खेप खरीद सकता है भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत रूस से एस-400 सतह से हवा में मार करने वाली प्रक्षेपास्त्र प्रणालियों की अतिरिक्त खेप खरीदने पर विचार कर रहा है, क्योंकि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान ये हथियार बहुत प्रभावी साबित हुए थे। मामले से परिचित लोगों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

ऐसा माना जा रहा है कि प्रस्तावित खरीद पर दिसंबर में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा के दौरान नई दिल्ली और मास्को के बीच बातचीत हो सकती है।

भारत ने रूस के साथ एस-400 वायु रक्षा प्रक्षेपास्त्र प्रणाली की पांच इकाइयों को खरीदने के लिए अक्टूबर 2018 में पांच अरब अमरीकी डालर के समझौते पर हस्ताक्षर किए, जबकि अमेरिका ने चेतावनी दी थी कि अनुबंध पर आगे बढ़ने से काउंटरिंग अमेरिकाज एडवर्सरीज थ्रू सेंक्शंस एक्ट (सीएएटीएसए) के प्रावधानों के तहत अमेरिकी प्रतिबंध लग सकते हैं। प्रक्षेपास्त्र प्रणाली के तीन स्क्वाड्रन की आपूर्ति पहले ही हो चुकी है।

भारत अपने नागरिकों, अखंडता की रक्षा के लिए किसी भी सीमा को पार कर जाएगा : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने 2016 की 'सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 के बालाकोट हवाई हमले और हाल में किए गए ऑपरेशन सिंदूर के जरिए यह दिखा दिया है कि देश अपने नागरिकों की रक्षा और भारत की एकता एवं अखंडता की रक्षा के लिए आवश्यकता पड़ने पर किसी भी सीमा को पार कर सकता है।

सिंह ने जैन अंतरराष्ट्रीय व्यापार संगठन (जीतो) द्वारा यहां आयोजित 'जीतो कनेक्ट' में कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले में निर्दोष लोगों को उनके धर्म के आधार पर मार दिया गया लेकिन भारत ने पाकिस्तान में आतंकवादियों के खिलाफ हमले करते समय किसी को धर्म के आधार पर निशाना नहीं बनाया। उन्होंने कहा, सरकार ने पहलगाम आतंकवादी हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा देने के मकसद से आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया। हमने वहां किसी भी सैन्य या असैन्य प्रतिष्ठान पर हमला नहीं किया। अगर हम चाहते तो हम ऐसा पहले भी कर सकते थे लेकिन हमने ऐसा नहीं किया।

सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार सैन्य और आर्थिक शक्ति बढ़ाने पर जोर प्रभुत्व हासिल करने के लिए नहीं, बल्कि धर्म, आस्था एवं मानवीय मूल्यों में निहित उन आदर्शों की रक्षा के लिए दे रही है जो भगवान महावीर की शिक्षाओं में प्रतिबिम्बित होते हैं। उन्होंने कहा, जब भारत के गौरव और सम्मान की बात आती है तो हमने कभी समझौता नहीं किया। चाहे वह 2016 की 'सर्जिकल स्ट्राइक' हो, 2019 के हवाई हमले हों या 2025 का ऑपरेशन सिंदूर, हमने साबित कर दिया है कि भारत की एकता एवं अखंडता के लिए और हर नागरिक के जीवन एवं देश की रक्षा के लिए, जब भी जरूरत होगी, हम किसी भी सीमा को पार कर जाएंगे।

पुतिन ने व्यापार असंतुलन कम करने का आदेश दिया

मोदी को 'संतुलित, बुद्धिमान' नेता बताया

मॉस्को/भाषा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत द्वारा भारी मात्रा में रूसी कच्चे तेल का आयात किए जाने के कारण पैदा हुए व्यापार असंतुलन को कम करने के लिए नई दिल्ली से अधिक कृषि उत्पाद और दवाइयां खरीदने सहित विभिन्न उपाय करने के आदेश दिए हैं।

पुतिन ने बृहस्पतिवार को वल्दाई पूर्ण सत्र में यह भी कहा कि वह दिसंबर की शुरुआत में होने वाली भारत की अपनी यात्रा और ''मेरे मित्र एवं हमारे विश्वसनीय साथी प्रधानमंत्री (नरेन्द्र) मोदी'' से मुलाकात को लेकर उत्साहित हैं। पुतिन दिसंबर की शुरुआत में एक वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए भारत की यात्रा करेंगे। उन्होंने भारत की राष्ट्रवादी सरकार की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री मोदी को एक ''संतुलित, बुद्धिमान और राष्ट्र हितैषी'' नेता बताया। पुतिन ने कहा कि वह उनके साथ भरोसेमंद बातचीत में सहज महसूस करते हैं। 'आरटी न्यूज चैनल' की रिपोर्ट के अनुसार, रूस के प्रमुख साझेदारों पर उच्च शुल्क और प्रतिबंध लगाने की अमेरिकी धमकी के बारे में सवाल किए जाने पर पुतिन ने कहा कि भारतीय लोग यह बर्दाश्त नहीं करेंगे कि उनके देश को उनके राष्ट्रीय हितों एवं प्राथमिकताओं के विपरीत कोई निर्णय लेने के लिए मजबूर किया जाए। उन्होंने कहा, (भारत) कभी किसी को स्वयं को अपमानित नहीं करने देगा। मैं प्रधानमंत्री मोदी को जानता हूं, वह भी ऐसा कोई निर्णय नहीं लेंगे।

पुतिन ने दक्षिण रूस के सोची स्थित काला सागर रिसॉर्ट में भारत सहित 140 देशों के सुरक्षा एवं भू-राजनीतिक विशेषज्ञों के अंतरराष्ट्रीय वल्दाई चर्चा मंच को बृहस्पतिवार शाम संबोधित करते हुए कहा, अमेरिका के दंडात्मक शुल्कों के कारण भारत को होने वाले नुकसान की भरपाई रूस से कच्चे तेल के आयात से हो जाएगी, साथ ही उसे एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में प्रतिष्ठा भी मिलेगी।

भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था बाहरी झटकों को झेलने में सक्षम : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि विश्व, व्यापार एवं ऊर्जा सुरक्षा में ''गंभीर असंतुलन'' का सामना करने के साथ ही संरचनात्मक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और ऐसे समय में भारत 'स्थिरता कायम करने वाली शक्ति' के रूप में सामने आया है जो बाहरी झटकों को झेलने में सक्षम है।

सीतारमण ने यहां कौटिल्य आर्थिक शिखर सम्मेलन 2025 में कहा कि भू-राजनीतिक संघर्ष बढ़ रहे हैं और प्रतिबंध व शुल्क वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं को नया रूप दे रहे हैं। ''ऐसे में भारत को सतर्क रहना होगा और परितोष की कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा, युद्ध एवं रणनीतिक प्रतिद्वंद्विताएं सहयोग व संघर्ष की सीमाओं को नए सिरे से परिभाषित कर रही हैं। जो गठबंधन कभी मजबूत दिखते थे, उनकी परीक्षा हो रही है और नए गठबंधन सामने आ रहे हैं। भारत के लिए ये गतिशीलताएं, संवेदनशीलता एवं लचीलेपन दोनों को उजागर करती हैं। झटकों को सहने की हमारी क्षमता मजबूत है। साथ ही हमारी आर्थिक क्षमता भी बढ़ रही है।

सीतारमण ने कहा कि विश्व अभूतपूर्व वैश्विक अनिश्चितता एवं अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है और देशों के समक्ष चुनौती केवल अनिश्चितता से निपटने की नहीं बल्कि व्यापार, वित्तीय एवं ऊर्जा असंतुलन से निटपने की भी है।

मंत्री ने 'अशांत समय में समृद्धि की तलाश' विषय पर आयोजित सत्र को संबोधित करते हुए कहा, इसलिए, हमारे सामने चुनौती केवल अनिश्चितता से नहीं बल्कि असंतुलन से निपटने की भी है। हमें खुद से सवाल करना होगा कि हम एक ऐसी वैश्विक व्यवस्था कैसे बना सकते हैं जहां व्यापार निष्पक्ष हो, ऊर्जा सस्ती एवं टिकाऊ हो और जलवायु परिवर्तन से निपटने की कार्रवाई विकास की अनिवार्यताओं के अनुरूप हो...?'' उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को ऐसे विचारों पर काम करने की जरूरत है, जो कल के पदानुक्रमों के बजाय आज की वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करें। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि विकासशील देशों की आवाज नियम-निर्माण में हाशिए पर न रहे, बल्कि भविष्य को आकार देने में उनकी आवाज को बल मिले।

सीतारमण ने इसके अलावा कहा कि अव्यवस्थाएं इस नए वैश्विक युग को परिभाषित करती हैं, जिसमें व्यापार प्रवाह को नया रूप दिया जा रहा है।

रूस ने यूक्रेन की प्राकृतिक गैस सुविधाओं को निशाना बनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कीव/एपी। रूस ने यूक्रेन की सरकारी स्वामित्व वाली गैस कंपनी नाफ्तोगाज समूह द्वारा संचालित प्राकृतिक गैस संयंत्रों को बृहस्पतिवार रात निशाना बनाया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यूक्रेनी वायु सेना के अधिकारियों ने बताया कि रूस ने यूक्रेन पर बृहस्पतिवार रात 381 ड्रोन और 35 मिसाइल से बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए। उन्होंने इन हमलों को सर्दियों से पहले यूक्रेन में बिजली आपूर्ति सुविधाओं को नष्ट करने की कोशिश करार दिया।

नाफ्तोगाज समूह की मुख्य कार्यकारी सेरही कोरेत्स्की ने एक बयान में कहा, यह उन नागरिक सुविधाओं के खिलाफ जानबूझकर किया गया आतंकी कृत्य है, जो लोगों के सामान्य जीवन यापन के लिए जरूरी गैस उत्खनन और प्रसंस्करण सेवाएं प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा, इसका कोई सैन्य उद्देश्य नहीं है। यह रूस की द्वेषपूर्ण कार्रवाई का एक और उदाहरण है, जिसका एकमात्र मकसद सर्दियों के मौसम में यूक्रेन वासियों के जीवन में व्यवधान पैदा करना और उन्हें बिजली से वंचित करना है।

04-10-2025 सूर्यास्त 6:08 बजे	05-10-2025 सूर्योदय 6:09 बजे

BSE	NSE
81,207.17 (+223.86)	24,894.25 (+57.95)

सोना	चांदी
11,890 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	146,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कौआ चले

जिनके घर चूहों के फांके,
कहे स्वयं को मालामाल।
कर्जा माफी के दे वादे,
जो दिखते खुद ही कंगाल।
खुद के पास नहीं है उत्तर,
दूजे से नित करे सवाल।
इसको यूं भी कह सकते हैं,
कौआ चले हंस की चाल।।

अगली बार संयम नहीं दिखाएगा भारत : थलसेना प्रमुख ने पाकिस्तान को दी चेतावनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अनूपगढ़/जयपुर। थलसेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए शुक्रवार को कहा कि अगर पड़ोसी देश विश्व के मानचित्र पर अपना स्थान बनाए रखना चाहता है तो उसे अपनी धरती से आतंकवाद को प्रायोजित करना बंद कर देना चाहिए। जनरल द्विवेदी ने साथ ही कहा कि नयी दिल्ली ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जो संयम दिखाया था, वह भविष्य में कोई सैन्य संघर्ष होने की स्थिति में दोहराया नहीं जाएगा और उन्होंने भारतीय सैनिकों से कार्रवाई के लिए तैयार रहने का आग्रह किया।

उन्होंने राजस्थान में श्रीगंगानगर जिले के अनूपगढ़ में सैनिकों को संबोधित करते हुए कड़े शब्दों में कहा, भारत एक देश के तौर पर इस बार पूरी तरह तैयार है और वह ऑपरेशन सिंदूर 1.0 के दौरान दिखाए गए संयम का परिचय इस बार नहीं देगा। इस बार हम एक कदम आगे बढ़ेंगे और इस तरह से काम करेंगे कि पाकिस्तान यह सोचने पर मजबूर हो जाएगा कि वह दुनिया के नक्शे पर बना रहना चाहता है या नहीं। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर पाकिस्तान दुनिया के नक्शे पर अपनी जगह बनाए रखना चाहता है, तो उसे सरकार प्रायोजित आतंकवाद को रोकना होगा। थलसेना प्रमुख ने सैनिकों से तैयार रहने को कहा। उन्होंने कहा, अभी से पूरी तरह तैयार रहो, अगर ईश्वर ने चाहा तो जल्द ही मौका आएगा।

जनरल द्विवेदी ने कहा कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया को पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों की मौजूदगी के सबूत दिए। उन्होंने कहा कि अगर भारत ने ये सबूत उजागर नहीं किए होते तो पाकिस्तान ये सब छिपा लेता। थलसेना प्रमुख ने कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद जब भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया तो पूरी दुनिया उसके साथ खड़ी थी। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना ने पाकिस्तान के अंदर नौ ठिकानों को निशाना बनाया, जिनमें से सात को थलसेना और दो को वायुसेना ने निशाना बनाया।

जनरल द्विवेदी ने कहा, हमने ठिकानों की पहचान इसलिए की थी क्योंकि हम केवल आतंकवादियों को नुकसान पहुंचाना चाहते थे। हमारा लक्ष्य उनके ठिकानों पर हमला करना था। हमें आम पाकिस्तानी नागरिकों से कोई शिकायत नहीं है, बशर्ते उनका देश आतंकवादियों को प्रायोजित न करे। चूंकि आतंकवादियों को प्रायोजित किया जा रहा था इसलिए उन आतंकवादी ठिकानों पर हमला किया गया।

उन्होंने अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास रहने वाले लोगों से उनकी अपील संबंधी सवाल के जवाब में कहा, हम सीमा पर रहने वालों को आम नागरिक नहीं, बल्कि सैनिक मानते हैं। इसका मतलब है कि वे युद्ध में हमारे साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। यह बेहद जरूरी है क्योंकि भावी संघर्ष केवल सेना का नहीं, बल्कि पूरे देश का संघर्ष है।

सेना प्रमुख ने कहा कि इतिहास गवाह है कि 1965 और 1971 के युद्धों में आम नागरिक सैनिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे थे। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि आने वाले दिनों में भी वे हमारे साथ जुड़े रहें। मैं उनका शुक्रिया अदा करना चाहता हूं – उनका जोश हमारे सैनिकों का मनोबल बढ़ाता है।

पांच करोड़ रुपये मूल्य का 1,000 किलोग्राम से अधिक गांजा जब्त; दो तस्कर गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस के गैंगस्टर रोधी कार्यबल ने झुंझुनू जिला विशेष टीम के साथ मिलकर पांच करोड़ रुपये मूल्य का लगभग 1,000 किलोग्राम गांजा जब्त कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रहार नामक यह अभियान बल को प्राप्त एक विशिष्ट खुफिया सूचना के आधार पर शुरू किया गया था, जिसके तहत ओडिशा से राजस्थान के शेखावाटी जाने वाली एक खेप पर नजर रखी गई थी। तस्कर एक कंटेनर ट्रक में प्रतिबंधित सामान ले जा रहे थे और उन्होंने इसे चालक की सीट के पीछे एक विशेष रूप से निर्मित चैंबर में छुपा रखा था। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) दिनेश एमएन ने बताया कि सूचना के आधार पर पुलिस ने झुंझुनू जिले के उदयपुरवाटी इलाके में नाकाबंदी की और वाहन को रोका। वाहन की तलाशी लेने पर पुलिस को 1,014 किलोग्राम गांजे की बोरियां बरामद हुईं। अधिकारियों ने बताया कि यह खेप शेखावाटी में मादक पदार्थों के माफिया राजू पचलेंगी और गोकुल के लिए थी। तस्करी नेटवर्क के दो प्रमुख सदस्यों को मौके से गिरफ्तार किया गया। उनकी पहचान सीकर निवासी सुभाष गुर्जर और प्रमोद गुर्जर के रूप में हुई। एडीजी ने कहा, यह सिर्फ जब्ती नहीं है, बल्कि मादक पदार्थों के संगठित कार्टेल के आपूर्ति नेटवर्क पर सर्जिकल स्ट्राइक है।

कोटा में रावण के 233 फुट ऊंचे पुतले का दहन कर विश्वरिकॉर्ड बनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के कोटा शहर में दशहरा मैदान में बृहस्पतिवार को रावण के 233 फुट ऊंचे पुतले का दहन कर 'विश्व रिकॉर्ड' बनाया गया। कोटा से तीन बार के सांसद एवं लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला तथा राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने यहां एक भव्य समारोह में 132वें राष्ट्रीय दशहरा मेले का उद्घाटन किया। इसके बाद, रावण के विशाल पुतले के साथ-साथ दोनों ओर 60 फुट ऊंचे कुंभकर्ण और मेघनाथ के पुतलों का दहन भी किया गया। कोटा के पूर्व राजपरिवार के मुखिया इज्यराज सिंह द्वारा छोड़े गए तीर से पुतलों को आग लगाई गई। वह भगवान लक्ष्मीनारायण की शोभायात्रा का नेतृत्व करते हुए दशहरा मैदान पहुंचे थे।

इससे पहले, दिल्ली में 2024 में रावण के 210 फुट ऊंचे पुतले के दहन का रिकॉर्ड है। विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने लोगों को विजयादशमी की शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह अवसर अन्याय पर न्याय की जीत को दर्शाता है। शर्मा ने कहा, कोटा दशहरा हमारी सांस्कृतिक विरासत, धार्मिक मान्यताओं और परंपराओं का संगम है। रावण के 233 फुट ऊंचे पुतले ने इस साल एक नया रिकॉर्ड बनाया है।

नकली नोट के अंतरराज्यीय गिरोह के सरगना दंपति झालावाड़ में गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने देश भर में नकली भारतीय मुद्रा की खपत करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के सरगना दंपति को झालावाड़ में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि झालावाड़ की जिला विशेष टीम और चंडीगढ़ पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में यह सफलता मिली। आरोपियों के कब्जे से 12 लाख 20 हजार रुपये मूल्य के नकली नोट, नोट छापने के उपकरण कलर प्रिंटर, लैपटॉप, कटर, स्याही और स्क्रीन फ्रेम इमेजर बरामद किए गए हैं।

झालावाड़ के जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि 29 सितंबर को चंडीगढ़ पुलिस ने दो व्यक्तियों गौरव और विक्रम को 10 लाख रुपए (500-500 मूल्य के कुल 2038 नोट) से अधिक मूल्य की नकली मुद्रा के साथ पकड़ा था। पूछताछ में पता चला कि ये नकली नोट उन्हें कूरियर सेवा के माध्यम से भेजे गए थे जिसका पता झालावाड़ जिले के बकानी क्षेत्र का था। मामले की गंभीरता को देखते हुए चंडीगढ़ पुलिस ने झालावाड़ पुलिस से संपर्क किया। जिला पुलिस की विशेष टीम ने चंडीगढ़ पुलिस के साथ मिलकर काम शुरू किया। गिरोह के सरगना आरोपी जितेंद्र शर्मा (40) और उसकी पत्नी रजनी शर्मा (37) नकली नोटों के 'कंसाइनमेंट' भेजते समय फर्जी नाम और पते का इस्तेमाल करते थे।

आरोपियों को चिन्हित करने के लिए टीम ने सबसे पहले कूरियर बुक करने का वास्तविक समय निकाला और फिर 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। सीसीटीवी और मानवीय आसूचना के गहन विश्लेषण से आखिरकार यह जानकारी मिली कि यह दंपति पिछले कुछ महीनों से झालरापाटन के चंद्रावती ग्रोथ सेंटर स्थित किराए के एक मकान में रह रहा था। संयुक्त टीम ने किराए के मकान पर छापा मारा। पुलिस ने मौके से जितेंद्र शर्मा और रजनी शर्मा को गिरफ्तार किया।

तलाशी के दौरान घर के अंदर एक मिनी-प्रिंटिंग प्रेस जैसा सेटअप मिला। आरोपियों के कब्ज़े से न केवल 12.20 लाख रुपये की नकली भारतीय मुद्रा बरामद हुई बल्कि नोटों की छपाई में इस्तेमाल होने वाले सभी सामान जैसे एक रंगीन प्रिंटर, लैपटॉप, कटर मशीन, विशेष स्याही और स्क्रीन फ्रेम इमेजर भी जब्त किए गए। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी मूल रूप से उज्जैन के निवासी हैं और झालावाड़ को अपना 'ऑपरेशन बेस' बनाए हुए थे। चंडीगढ़ पुलिस टीम दोनों आरोपियों को आगे की जांच के लिए चंडीगढ़ ले गई है।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गिर्राज प्रसाद तिवारी को अंतिम विदाई, भजनलाल शर्मा ने किए अंतिम दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। राजस्थान विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता गिर्राज प्रसाद तिवारी को अंतिम विदाई देने के लिए आज हजारों की संख्या में लोग उनके पैतृक गांव बिडयारी बयाना पहुंचे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी गांव बिडयारी पहुंचे और पार्थिव देह के दर्शन कर उन्हें पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री के साथ पूर्व मंत्री अरुण चतुर्वेदी भी पहुंचे थे।

गिर्राज प्रसाद तिवारी का 104 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। उनके निधन से क्षेत्र और पूरे प्रदेश में शोक की लहर है। उनकी अंतिम यात्रा कचहरी से श्मशान घाट तक निकाली जाएगी। अंतिम यात्रा में हजारों लोग शामिल होंगे। गांव बिडयारी में सुबह से ही श्रद्धांजलि देने वालों की भीड़ उमड़ी हुई है। आमजन के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक संगठनों, राजनीतिक दलों के नेता और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में पहुंचकर अपने प्रिय नेता को अंतिम नमन कर रहे हैं।

प्रदेश की राजनीति में लंबे समय तक सक्रिय रहे गिर्राज प्रसाद तिवारी 1986 से 1990 तक राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष पद पर रहे थे। वे अपनी सादगी, ईमानदारी और जनसेवा के लिए हमेशा याद किए जाएंगे गांव बिडयारी में आज का दिन भावुक माहौल का गवाह बन गया, जब लोग नम आंखों से अपने नेता को अंतिम विदाई देने जुटे।

रिश्वतखोरी में रंगे हाथ पकड़ा गया हेड कॉन्स्टेबल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सीकर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। इसमें सीकर जिले के रनौली थाना क्षेत्र में तैनात हेड कॉन्स्टेबल राम निवास को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर झुंझुनूं इकाई की टीम ने आरोपी रनौली थाने के हेड कॉन्स्टेबल रामनिवास (बेल्ट नं. 15) को 15,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस श्रीमती स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि ए.सी.बी. चौकी झुंझुनूं को एक शिकायत इस आशय की मिली कि परिवादी के भतीजे के विरुद्ध पुलिस थाना रानोली में गुमशुदा (महिला) की गुमशुदगी दर्ज थी जिसमें आरोपी के विरुद्ध कोई कार्यवाही नही करने की एवज में 20,000 रुपये की रिश्वत मांग कर परेशान कर रहा था। प्राप्त शिकायत पर दिनांक 28.09.2025 गोपनीय रिश्वत मांग सत्यापन के दौरान आरोपी रामनिवास हैड कानि. पुलिस थाना रानौली जिला सीकर द्वारा परिवादी के भतिजे की मदद करने की एवज में 15,000 रुपये रिश्वत की मांग करना पाया गया। रिश्वत मांग के अनुसरण में आज दिनांक 03.10.2025 को ट्रेप कार्यवाही का आयोजन कर परिवादी से आरोपी रामनिवास हेड कानि द्वारा रिश्वती राशि थाने के बाहर ग्रहण कर अपनी पहनी हुई पेंट की जेब में रख ली। आरोपी से रिश्वत राशि 15000 रुपये बरामद हो चुकी है।

इस पर ए.सी.बी. जयपुर रेंज के राजेश सिंह, उप महानिरीक्षक पुलिस के सुपरवीजन में ए.सी.बी. झुंझुनूं के शब्बीर खान, उप अधीक्षक पुलिस मय टीम के ट्रेप कार्यवाही जारी है। आरोपी से पूछताछ तथा कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

जयपुर में होगा सांसद खेल महोत्सव : मंजू शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शहर सांसद मंजू शर्मा ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों को संबोधित करते हुए बताया कि जयपुर में 15 अक्टूबर से सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'फिट इंडिया हिट इंडिया' और 'खेलो इंडिया' थीम को सार्थक करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को फिटनेस, खेल और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

सांसद शर्मा ने कहा कि खेल महोत्सव में पुरुषों और महिलाओं के साथ-साथ दिव्यांग खिलाड़ी भी भाग लेंगे। पारंपरिक खेलों में कबड्डी, खो-खो, कुश्ती, रस्साकशी, सितोलिया, मटका दौड़, नींबू दौड़ और मलखम्भ शामिल होंगे, वहीं आधुनिक खेलों में क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल, एथलेटिक्स, तीरंदाजी, वुशु, हॉकी, बैडमिंटन, शतरंज और वेटलिफ्टिंग जैसी प्रतिस्पर्धाएं होंगी। महिलाओं के लिए विशेष प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा और सांसद व विधायक दिव्यांग खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने के लिए उनसे संवाद करेंगे।

उन्होंने बताया कि प्रतियोगिताएं तीन स्तरोंमंडल, विधानसभा और लोकसभा स्तर परआयोजित होंगी। जयपुर में विद्याधर नगर स्टेडियम, केएल सैनी स्टेडियम, चौगान स्टेडियम और एसएमएस स्टेडियम खेल आयोजन के केंद्र रहेंगे।

खांसी की प्रतिबंधित दवा लिखने पर चिकित्सक व फार्मासिस्ट के निलंबन की कार्रवाई शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने सीकर जिले में हाथीदेह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में बच्चों के लिए खांसी की प्रतिबंधित दवा लिखे जाने पर एक चिकित्सक और फार्मासिस्ट को निलंबित करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार राज्य में संचालित निशुल्क दवा योजना के तहत वितरित खांसी की दवा (सिरप) की गुणवत्ता की शिकायत के प्रकरण में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग गंभीरता के साथ कार्रवाई सुनिश्चित कर रहा है। इसके अनुसार भरतपुर एवं सीकर जिले में दो बच्चों की मौत के प्रकरण में प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार दोनों ही बच्चों को खांसी की दवा डेक्सट्रोमैटोरफन नहीं लिखी गई थी।

उल्लेखनीय है कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने प्रकरण सामने आने पर तत्काल संज्ञान लेते हुए मामले की जांच किए जाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद राजस्थान मेडिकल सर्विस कॉर्पोरेशन (आरएमएससीएल) ने संबंधित दवा के वितरण एवं उपयोग पर रोक लगा दी थी और जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी का गठन भी कर दिया था। साथ ही, दवा का वैधानिक नमूना लेकर जांच के लिए राजकीय औषधि परीक्षण प्रयोगशाला भी भेजा गया है।

निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने बताया कि भरतपुर एवं सीकर में दो बच्चों की मौत के प्रकरण में प्राप्त रिपोर्ट में सामने आया है कि चिकित्सक द्वारा दोनों ही बच्चों को डेक्सट्रोमैटोरफन एचबीआर सिरप नहीं लिखी गई है। प्रोटोकॉल के अनुसार बच्चों को यह दवा नहीं लिखी जाती है।

एकमुश्त समझौता योजना के लिए राज्य सरकार का जताया आभार

जयपुर। राजस्थान राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक की 61वीं वार्षिक साधारण सभा शुक्रवार को एपेक्स बैंक के सभागार में आयोजित की गई। बैंक प्रशासक एवं अतिरिक्त रजिस्ट्रार (द्वितीय) संदीप खण्डेलवाल की अध्यक्षता तथा बैंक प्रबंध निदेशक जितेन्द्र प्रसाद की उपस्थिति में आयोजित आमसभा में 39 में से 26 सदस्यों ने भाग लिया। साधारण सभा में बैंक के वर्ष 2024-25 के संतुलन चित्र, लाभ- हानि खाता तथा बजट के विरुद्ध आय-व्यय प्रतिवेदन, ऋण वितरण कार्यक्रम तथा अन्य विषयों का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया। साधारण सभा में बताया गया कि वर्ष 2024-25 में राजस्थान राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक 216.05 लाख रुपये के शुद्ध लाभ में रहा है। बैंक द्वारा आगामी वर्ष 2026-27 में 400 करोड़ रुपये के ऋण वितरण का लक्ष्य प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा बजट सत्र के दौरान की गई घोषणा की अनुपालना में लागू मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत एकमुश्त समझौता योजना 2025-26 के लिए साधारण सभा में आभार व्यक्त करते हुए इसे दीर्घकालीन साख संरचना के लिए जीवनदायिनी बताया गया। साथ ही, योजना के क्रियान्वयन की अवधि 31 मार्च, 2026 तक बढ़ाये जाने हेतु प्रस्ताव प्रशासनिक विभाग को प्रेषित करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। आमसभा में सदस्यों द्वारा दीर्घकालीन साख संरचना को और अधिक मजबूत करने के संबंध में अन्य कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गए।

नवीन सहकारी समितियों के गठन में आएगी तेजी, पारदर्शिता होगी सुनिश्चित : दक

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने बताया कि राज्य में नवीन ग्राम सेवा सहकारी समितियों के गठन के लिए ऑनलाइन व्यवस्था प्रारम्भ की गई है। नई व्यवस्था के तहत अब निरीक्षकों को लक्ष्य प्रदान करने से लेकर स्वीकृति जारी करने तक के कार्य ऑनलाइन रूप से ही संपादित होंगे। इससे नवीन समितियों के गठन में तेजी आएगी तथा प्रक्रिया में पारदर्शिता भी सुनिश्चित होगी। दक ने बताया कि नवीन पैक्स गठन किये जाने के लिए सर्वप्रथम इकाई अधिकारी द्वारा निरीक्षकों को लक्ष्य प्रदान किए जाते हैं, जिसके बाद निरीक्षक संबंधित क्षेत्र में सर्वे की कार्यवाही पूर्ण कर व्यवहार्यता रिपोर्ट प्रस्तुत करते हैं। यह रिपोर्ट नवीन पैक्स के गठन के प्रस्ताव के साथ प्रधान कार्यालय को भेजी जाती है, जहां से समिति गठन की स्वीकृति जारी की जाती है। यह कार्य अब तक मैनुअल रूप से होने के कारण कई बार समिति गठन की प्रक्रिया में विलम्ब होता है।

गारंटी योजनाओं के कारण कर्नाटक की वित्तीय स्थिति खराब हो गयी है : देवेगौड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पूर्व प्रधानमंत्री एच. डी. देवेगौड़ा ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार द्वारा लागू की जा रही 'पांच गारंटी' योजनाओं के कारण राज्य की वित्तीय स्थिति खराब हो गई है। उन्होंने यह भी दावा किया कि कलबुर्गी सहित उत्तरी कर्नाटक के छह जिलों में भीषण बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए राज्य सरकार के पास पैसा ही नहीं है। जनता दल (एस) प्रमुख ने कहा कि वह जमीनी हालात का जायजा लेने के लिए एक सप्ताह के भीतर कलबुर्गी और आसपास के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करेंगे। महाराष्ट्र द्वारा बांधों से पानी छोड़े जाने के कारण भीमा और कृष्णा नदियों में बाढ़ आ गई है। कलबुर्गी, विजयपुरा, बीदर और यादगीर सबसे ज्यादा प्रभावित जिले हैं। फसलों के नुकसान के अलावा, कई घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं और मानव जीवन के साथ-साथ पशुधन की भी हानि हुई है।

देवेगौड़ा यह भी कहा कि वह बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए मुआवजे की मांग को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''गारंटी के कारण राज्य की वित्तीय स्थिति खराब हो गई है। यह मैं नहीं, बल्कि कांग्रेस विधायक कह रहे हैं।'' देवेगौड़ा (92) ने कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी के विधायकों में भ्रम की स्थिति है। उन्होंने कहा, ''वे (कांग्रेस विधायक) कहते हैं कि इतनी गंभीर बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए भी पैसे नहीं हैं।''

पांच गारंटी योजनाएं हैं – 'गृह ज्योति' जिसके तहत प्रत्येक परिवार को 200 यूनिट मुफ्त बिजली, 'गृह लक्ष्मी' योजना जिसके तहत परिवार की प्रत्येक महिला मुखिया को 2,000 रुपये तथा अन्न भाग्य' जिसके तहत गरीबी रेखा से नीचे के बीपीएल परिवार के प्रत्येक सदस्य को प्रति माह 10 किलोग्राम चावल देने का वादा किया गया है। 'युवा निधि' के तहत बेरोजगार स्नातकों को 3,000 रुपये और बेरोजगार डिप्लोमा धारकों (18-25 वर्ष के आयु वर्ग में) को दो साल के लिए 1,500 रुपये देने का वादा किया गया है और शक्ति' योजना के तहत कर्नाटक की महिलाओं को राज्य के भीतर सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा की अनुमति दी गई है।

देवेगौड़ा ने कहा, 50 से अधिक लोगों की जान चली गई है और पशुधन को भी भारी नुकसान हुआ है। फसलें पूरी तरह से नष्ट हो गई हैं। सड़कें, पुल और घर नष्ट हो गए हैं। उन्होंने कहा, मैं जमीनी हकीकत देखने के लिए कलबुर्गी का दौरा करूंगा। वहां जाकर मैं सरकार द्वारा किए गए कार्यों के बारे में अपनी राय दूंगा। देवेगौड़ा ने बताया कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने हाल ही में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया था और फसल को हुए नुकसान का जायजा लिया था। उन्होंने जिला प्रभारी मंत्रियों और अधिकारियों से अपील की कि वे घटनास्थल का दौरा करें और लोगों की समस्याओं को समझें।

कर्नाटक में 'पांच गारंटी' से प्रभावशाली और सार्थक बदलाव हुए : कांग्रेस

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कांग्रेस ने एक अध्ययन का हवाला देते हुए शुक्रवार को कहा कि कर्नाटक में उसकी सरकार द्वारा 'पांच गारंटी' लागू किए जाने से प्रभावशाली एवं सार्थक बदलाव आए हैं तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक बयान में कहा, पिछले दो वर्षों में कर्नाटक सरकार द्वारा लागू की गई पांच गारंटी प्रभावशाली और सार्थक बदलाव लायी हैं। चार प्रतिष्ठित शोध और शैक्षणिक संस्थानों के सम्मिलित स्वतंत्र अध्ययन से तैयार एक नयी रिपोर्ट ने इन गारंटियों के परिणामों का व्यापक मूल्यांकन किया है। उन्होंने कहा, ''शक्ति योजना (मुफ़्त बस यात्रा) के अंतर्गत 19 प्रतिशत महिला लाभार्थियों ने बताया कि बसों से मिली गतिशीलता (मोबिलिटी) की वजह से उन्हें रोज़गार या बेहतर नौकरी मिली- बेंगलूरु शहरी ज़िले में यह आँकड़ा 34 प्रतिशत तक हो गया। 80 प्रतिशत लाभार्थियों ने कहा कि उनकी स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच बढ़ी है।'' रमेश के अनुसार, सर्वेक्षण में शामिल 72 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि इस योजना से उनका आत्मविश्वास और सशक्तीकरण बढ़ा है।

उन्होंने कहा, गृह लक्ष्मी योजना (परिवार की महिला मुखिया को 2,000 रुपये प्रति माह) के तहत 94 प्रतिशत महिलाओं ने इस राशि का एक हिस्सा आहार और पोषण को बेहतर बनाने में खर्च किया। 90 प्रतिशत ने स्वास्थ्य सेवाओं पर उपयोग किया। करीब 50 प्रतिशत ने अपने बच्चों की शिक्षा पर खर्च किया।'' कांग्रेस नेता का कहना है कि महिलाएं बड़े पैमाने पर इस राशि का इस्तेमाल अपने परिवार की दीर्घकालिक भलाई में निवेश के रूप में कर रही हैं।

रमेश ने कहा, अन्न भाग्य योजना (मुफ़्त चावल) के तहत 94 प्रतिशत लोगों ने बताया कि उन्हें इस योजना का लाभ मिला। 91 प्रतिशत लाभार्थी परिवार अब अतिरिक्त पोषण जैसे सब्ज़ियां और दूध पर खर्च कर रहे हैं, क्योंकि उन्नत अन्न भाग्य योजना उनकी अनाज की ज़रूरतों को पूरा कर रही है। कांग्रेस महासचिव ने कहा, ''गृह ज्योति योजना (200 यूनिट मुफ्त बिजली) के अंतर्गत 72 प्रतिशत महिला लाभार्थियों ने बताया कि उनके परिवार अब बिजली का अधिक उपयोग कर पा रहे हैं। 43 प्रतिशत ने समय बचाने वाले और जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने वाले नए उपकरण खरीदे हैं।''

रमेश के मुताबिक, युवा निधि योजना (बेरोज़गार युवाओं के लिए भत्ता) के तहत 42 प्रतिशत लाभार्थियों ने बताया कि उन्होंने यह धनराशि कौशल विकास और रोज़गार पाने के प्रयासों में उपयोग की।

कांग्रेस नेता ने कहा, फैसला स्पष्ट है। महिलाएं अब अधिक स्वस्थ, गतिशील, और परिवार व समाज में सशक्त हुई हैं। परिवार अपने स्वास्थ्य और शिक्षा में दीर्घकालिक निवेश कर रहे हैं। स्थानीय अर्थव्यवस्था मज़बूत हुई है, क्योंकि जमीनी स्तर पर मांग बढ़ी है।

स्वच्छता पखवाड़ा एवं स्वस्थ नारी सशक्त परिवार का हुआ समापन

बेंगलूरु। 3 अक्टूबर को कर्मचारी राज्य बीमा निगम क्षेत्रीय कार्यालय में स्वच्छता पखवाड़ा एवं स्वस्थ नारी सशक्त परिवार पखवाड़े का समापन समारोह का आयोजन किया गया। इस पखवाड़ा में स्वच्छता संबंधी अनेक कार्यक्रम जैसे स्वच्छता दौड़, जागरूकता कार्यक्रम, पुराने रिकॉर्ड की वीडआउट आदि अनेक कार्यक्रम आयोजित हुए। इसके साथ ही सभी कर्मचारियों के लिए शुक्रवार को स्वास्थ जांच शिविर का भी आयोजन हुआ जिसमें हाउस कीपिंग सहित लगभग 150 लोगों की स्वास्थ जांच की गई।समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए चिकित्सा आयुक्त असित अग्रवाल ने सभी से इसे देश सेवा के रूप में लेने का आह्वान किया। क्षेत्रीय निदेशक मनोज कुमार ने स्वच्छता को अपनी नियमित आदत बनाने का सभी से अनुरोध किया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता कर्मचारियों को पुरस्कृत करने के साथ-साथ सभी हाउस कीपिंग कर्मचारियों का भी सम्मान किया गया।

सुरजेवाला ने कांग्रेस अध्यक्ष खरगे से मुलाकात की

बेंगलूरु। कांग्रेस महासचिव और कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने शुक्रवार को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर पहुंचकर उनसे मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। खरगे (83) की बुधवार को बेंगलूरु के एमएस रामैया अस्पताल में हृदय की सर्जरी हुई थी और उन्हें पेसमेकर लगाया गया था। चिकित्सकों ने कांग्रेस अध्यक्ष को कुछ दिन आराम करने की सलाह दी है।

सुरजेवाला ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, कांग्रेस अध्यक्ष खरगेजी से मिलकर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। खरगेजी के उत्साह को देखकर वाकई बहुत खुशी हुई। हम उनके निरंतर मार्गदर्शन की आशा करते हैं। इस बीच, कर्नाटक के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियंक खरगे ने बताया कि उनके पिता ठीक हैं और लोगों के आशीर्वाद से कल अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद घर आ गए हैं।

सुब्बा राव ने रेपका के महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण किया

बेंगलूरु। यू. सुब्बा राव ने 1 अक्टूबर को रेल पहिया कारखाना (रेपका) के महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण किया। यह इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ), चेन्नई के महाप्रबंधक के रूप में उनके वर्तमान कार्यभार के अतिरिक्त है। उन्होंने चंद्र वीर रमन से कार्यभार ग्रहण किया, जो 30 सितम्बर को सेवानिवृत्त हुए थे। भारतीय रेलवे यांत्रिक इंजीनियर सेवा (आईआरएसएमई) के 1987 बैच के अधिकारी सुब्बा राव यांत्रिक इंजीनियरिंग में स्नातक हैं और उन्होंने भारतीय प्रबंधन संस्थान, बेंगलूरु से लोक नीति एवं प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्राप्त किया है। महाप्रबंधक/आईसीएफ के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले, सुब्बा राव ने दक्षिण पश्चिम रेलवे, हुब्बल्ली में अपर महाप्रबंधक के रूप में कार्य किया। उन्होंने भारतीय रेलवे में कई प्रमुख पदों पर कार्य किया है। उन्होंने पेरिस और जोहान्सबर्ग में प्रतिष्ठित वरिष्ठ प्रबंधक कार्यक्रम में भाग लिया है और टीटीसीआई, यूएसए में ईएमयू कास्ट व्हील डिज़ाइनों के सत्यापन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
बेरला जिला बेमेतरा
रा.प्र. क्र. 202412231600015/अ- 5 / वर्ष 2024-25
// राजस्व मामले में नोटिस //
क्र./ 2045 / वा./अ.वि.अ/2025
बेरला दिनाक: 10/09/2025
पन्नालाल ताम्रकार पिता अभय सिंह विरुध्द
विरुध्द
कृष्ण कान्त पिता स्व. अशोक ताम्रकार वर्ग
प्रति,
1. शिखा ताम्रकार पिता अशोक ताम्रकार
2. शालिनी पिता स्व. अशोक तासकार
3. मल्लिका पिता स्व. अशोक ताम्रकार
4. सन्तु पति स्व. अशोक ताम्रकार
चारो निवासी मुकुट नगर पानी टंकी के पीछे रायपुर तहसील रायपुर जिला रायपुर (छ.ग.)
5. पवन साहू पिता कलीराम साहू
निवासी ग्राम देवादा तहसील भिंभौरी जिला बेमेतरा (छ.ग.)
एतद् द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि, अपीलार्थीगण द्वारा माननीय अधिनस्थ न्यायाल रा.प्र.क्र. 20230523180000 3/1-5 / वर्ष 2022-23 | पारित आदेश दिनांक 24/05/2024 से शुबध होकर यह अपील प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण मेरे न्यायालय में लंबित है जिसकी सुनवाई दिनांक | 10/10/2025 के दिन के समय 11.00 बजे स्थान बेरला में नियत है। अता आप नियत तिथि को इस न्यायालय में उपस्थित होवे अन्यथा आपके विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी। आज दिनांक | 10.09.2025 को न्यायालय की मुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

कल्याण कर्नाटक में बाढ़ : देवेगौड़ा ने सरकार को राहत सामग्री का ब्यौरा देने की समय सीमा दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा ने राज्य सरकार को कल्याण कर्नाटक के बाढ़ प्रभावित जिलों में अब तक दी गई राहत के बारे में 48 घंटों के भीतर लोगों को विस्तृत जानकारी देने की समय सीमा दी है। जे.डी.(एस) के राज्य कार्यालय जेपी भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा; बाढ़ राहत कार्यक्रम युद्धस्तर पर चलाए जाने चाहिए। बाढ़ के कारण लोगों को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। अगले 3-4 दिनों में, मैं भी बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करूँगा और खुद देखूँगा कि इस सरकार ने कितनी राहत पहुँचाई है। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि जहाँ तक संभव होगा, मैं सड़क मार्ग से जाकर बाढ़ पीड़ितों से मिलूँगा। मैं उनकी समस्याओं को देखूँगा और उनसे जानकारी प्राप्त करूँगा। मैं हुए नुकसान का विवरण प्राप्त करूँगा और पता लगाऊँगा कि क्या राज्य सरकार ने उनकी सहायता के लिए कोई कदम उठाया है। फिर मैं एक व्यापक रिपोर्ट तैयार करूँगा और उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सौंपूँगा।

उन्होंने कहा कि बाढ़ के मुद्दे पर किसी को भी राजनीति नहीं करनी चाहिए। सरकार को इसे तत्काल प्राथमिकता माननी चाहिए। लेकिन मैंने देखा है कि विधायक खुद कह रहे हैं कि खजाने में पैसा नहीं है। वे खुद कह रहे हैं कि बाढ़ प्रभावित जिलों और अन्य मामलों के लिए पैसा नहीं है क्योंकि गारंटी योजनाओं के लिए पैसा दिया जा रहा है। पाँच गारंटी योजनाओं के कारण राज्य की वित्तीय स्थिति खराब हो गई है। देवेगौड़ा ने एक सवाल के जवाब में कहा कि इस सरकार के पास कल्याण कर्नाटक के छह जिलों में भीषण बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए पैसा नहीं है। बाढ़ के कारण 50 से ज़्यादा लोगों की जान जा चुकी है। बड़ी संख्या में मवेशी मारे गए हैं। संपत्ति और फसलों का भारी नुकसान हुआ है। बुनियादी ढाँचे में सड़कें और पुल ढह गए हैं। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि बाढ़ का पानी घरों में घुसने से लोग बेसहारा हो रहे हैं।

देवेगौड़ा ने कहा कि मैं पार्टी संगठन के लिए प्रयास करूँगा। केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी पहले की तरह सक्रिय रूप से काम करेंगे। उनका स्वास्थ्य अच्छा है। निखिल कुमारस्वामी पार्टी का संगठन कर रहे हैं। तीन बार चुनाव हारने के बावजूद, वे घर पर नहीं बैठे हैं और संगठन के काम में व्यस्त हैं। उन्होंने इस बात की सराहना की कि वे हार के अनुभव से सीख लेकर राज्य का दौरा कर रहे हैं और एक अनुभवी राजनेता की तरह काम कर रहे हैं। निखिल कुमारस्वामी का राज्यव्यापी सदस्यता अभियान और संगठन दौरा सफल रहा है। साथ ही; हम बेंगलूरु शहर में पार्टी को मजबूती से खड़ा करेंगे। इसी सिलसिले में 12 अक्टूबर को जेडीएस महिला सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इसमें कम से कम 50,000-60,000 महिलाएँ भाग लेंगी। उन्होंने कहा कि पार्टी को जमीनी स्तर से संगठित किया जाएगा; उन्होंने रहस्यमयी ढंग से कहा कि जब चुनाव आएंगे, तो सबको पता चल जाएगा कि हम कितने मजबूत हैं। जेडीएस का लक्ष्य आगामी जीबीए चुनावों में कम से कम 50-60 सीटें जीतना है। उन्होंने कहा कि वह शहर में एक पार्टी का आयोजन कर रहे हैं।

भाजपा नेता अशोक ने कहा,

बाढ़ संकट के बीच कर्नाटक सरकार 'कोमा' में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता आर अशोक ने शुक्रवार को कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाया कि राज्य में बाढ़ प्रभावित जिलों में किसान परेशान हैं और लोग बेघर हो रहे हैं लेकिन राज्य की कांग्रेस सरकार कोमा में है। बेलगावी में बाढ़ प्रभावित इलाकों के दौरे के दौरान अशोक ने संवाददाताओं से कहा, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार नींद में है। कोई भी मंत्री बाढ़ प्रभावित जिलों का दौरा नहीं कर रहा है। किसान परेशान हैं और कुछ लोगों के घर भी बर्बाद हो गए हैं, लेकिन राज्य सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया है।

राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि वह शनिवार को विजयपुरा के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेंगे। महाराष्ट्र द्वारा अपने बांधों से पानी छोड़े जाने के कारण भीमा और कृष्णा नदियों में बाढ़ आ गई है, जिसका सबसे ज्यादा असर कलबुर्गी, विजयपुरा, बीदर और यादगीर जिलों पर पड़ा है। फसलों के नुकसान के अलावा, कई घर क्षतिग्रस्त हुए हैं और लोगों व मवेशियों की भी जान गई है। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने हाल ही में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया था और फसल क्षति का जायजा लिया था।

अशोक ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार हर चीज के लिए

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्र को दोषी ठहराती है। उन्होंने कहा, हर चीज के लिए वे मोदी को दोषी ठहराते हैं। वे केंद्र सरकार को दोषी ठहराते हैं, लेकिन पहली कार्रवाई राज्य सरकार को करनी चाहिए। लेकिन राज्य सरकार काम नहीं कर रही है। वे मुख्यमंत्री पद के लिए लड़ रहे हैं। कर्नाटक राज्य का यही हाल है। सत्तारूढ़ पार्टी पर शासन की अपेक्षा आंतरिक सत्ता संघर्ष पर अधिक ध्यान केंद्रित करने का आरोप लगाते हुए अशोक ने दावा किया कि कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन है। उन्होंने कहा, कांग्रेस के भीतर एक शीत युद्ध चल रहा है। नवंबर में 100 प्रतिशत मुख्यमंत्री को बदल दिया जाएगा। मुझे नहीं पता कि डीके शिवकुमार होंगे, गृह मंत्री जी परमेश्वर होंगे या पीडब्ल्यूडी मंत्री सतीश जरकीहोली होंगे। कोई भी मुख्यमंत्री बन सकता है। सिद्दरामय्या 100 प्रतिशत मुख्यमंत्री बनेंगे। कांग्रेस पार्टी में अंदरूनी कलह है। अशोक ने आगे आरोप लगाया कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के तहत कोई विकास नहीं हो रहा है।

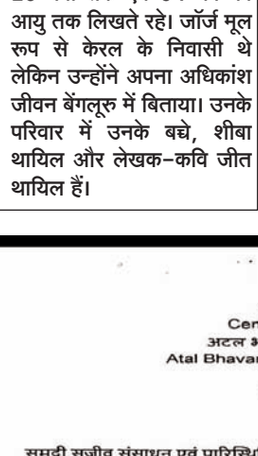

वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक टीजेएस जॉर्ज का निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रख्यात पत्रकार और लेखक थायिल जैकब सोनी जॉर्ज का शुक्रवार को यहां एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह 97 साल के थे। उन्हें टी जे एस जॉर्ज के नाम से भी जाना जाता था। पद्म भूषण से सम्मानित जॉर्ज अपने तीखे व्यंग्य और कटाक्ष से भरपूर लेखन के लिए व्यापक रूप से जाने जाते थे। वह 'द न्यू इंडियन एक्सप्रेस' के संपादकीय सलाहकार थे और अपने बहुचर्चित साप्ताहिक स्तंभ 'पॉइंट ऑफ व्यू' के लिए प्रसिद्ध थे। इस स्तर को वह 2022 तक लगातार 25 वर्षों तक एवं 94 वर्ष की आयु तक लिखते रहे। जॉर्ज मूल रूप से केरल के निवासी थे लेकिन उन्होंने अपना अधिकांश जीवन बेंगलूरु में बिताया। उनके परिवार में उनके बच्चे, शीबा थायिल और लेखक-कवि जीत थायिल हैं।

F.No. SP-1/18/2025-BIOACOU Section-CMLRE (e 737)
समुद्री सजीव संसाधन एवं पारिस्थितिकी केंद्र
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
अटल भवन, एलएनजी रोड, पुतुवैप साँथ, ओचनतुरुत पी.ओ., कोच्चि, भारत

वाक इन इंटरव्यू

CMLRE के PRITHVI परियोजना (2022-26) के प्रोजेक्ट मेनेजर (01 Nos) और प्रोजेक्ट असिस्टन्ड / टेकनिकल असिस्टन्ड (01 Nos.) के खिलाफ रिक्तियों को भरने के लिए वॉक-इन-इंटरव्यू सीएमएलआरई, पुथुवाइप परिसर में आयोजित किया जाएगा।

योग्य उम्मीदवारों को मार्च 2026 की अवधि तक या परियोजना के कार्यकाल तक संबंधित पद के रूप में नियुक्त किया जाएगा। विवरण के लिए www.cmlre.gov.in देखें।

ह/-
cbc12110/11/0005/2526 अवर सचिव एवं कार्यालय अध्यक्ष

भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस)
अंतरिक्ष विभाग, भारत सरकार

प्रतिनियुक्ति के आधार पर उप निदेशक/सहायक निदेशक की भर्ती
(विज्ञापन सं. इन-स्पेस: 06:2025 दिनांकित 04/10/2025)

इन-स्पेस अंतरिक्ष विभाग (डीओएस) के तहत अंतरिक्ष गतिविधियों के प्रचार और प्राधिकरण तथा गैर-सरकारी संस्थाओं (एनजीई) द्वारा अं.वि के स्वामित्व वाली सुविधाओं के उपयोग के लिए एक स्वतंत्र नोडल एजेंसी है।

पात्र उम्मीदवारों से निम्नलिखित पदों के लिए प्रारंभिक तौर पर **03 (तीन) वर्ष (आवश्यकता और संतोषजनक प्रदर्शन के आधार पर 05 वर्ष तक विस्तारणीय) की अवधि के लिए** भारत सरकार द्वारा समय-समय पर संशोधित प्रतिनियुक्ति के मानक नियमों और शर्तों के अनुसार **प्रतिनियुक्ति** के आधार पर आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

पदनाम/ वेतन मैट्रिक्स में स्तर	विशेषज्ञता का क्षेत्र	पदों की संख्या
उप निदेशक स्तर - 13	विधि	01
सहायक निदेशक स्तर - 11	विधि	01

विस्तृत विज्ञापन वेबसाइट https://www.inspace.gov.in पर घोषणा खंड के तहत उपलब्ध है। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 03/11/2025 है।

इन-स्पेस द्वारा जारी
cbc49121/12/0005/2526

भाजपा 'वोट चोरी' की 'सुनियोजित साजिश' में शामिल : सुरजेवाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस महासचिव और पार्टी के कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर 'वोट चोरी' के जरिए जनादेश चुराने की 'सुनियोजित साजिश' का आरोप लगाया और इसे 'संविधान और लोकतंत्र पर हमला' करार दिया। उन्होंने दावा किया कि 'वोट चोरी' सिर्फ महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र या आलंद या महाराष्ट्र के उस विधानसभा क्षेत्र तक ही सीमित नहीं है, जिसका रिकॉर्ड राहुल गांधी ने जारी किया था। सुरजेवाला ने कथित वोट चोरी के खिलाफ शहर के पुलकेशीनगर में हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत करते हुए संवाददाताओं से कहा, 'वोट चोरी', यानी जनादेश की चोरी भारत के संविधान और लोकतंत्र पर एक सुनियोजित हमला है। भाजपा की दुष्ट ताकतें आपकी पसंद के व्यक्ति को चुनने के आपके अधिकार को छीन रही हैं।

उन्होंने कहा कि यह सुनियोजित साजिश संविधान में निहित एक व्यक्ति, एक वोट के सिद्धांत को खत्म करने के लिए है, जिसे बी आर आंबेडकर, भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल, अबुल कलाम आजाद, डॉ राजेंद्र प्रसाद और कई अन्य स्वतंत्रता सेनानियों ने अपनाया। इसे देश की आत्मा और भारत के लोकतंत्र पर हमला बताते हुए, सुरजेवाला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने वोट चोरी में लिप्त भाजपा की ताकतों और बंधुआ निर्वाचन आयोग के खिलाफ

वोट चोरी पर एक राष्ट्रव्यापी हस्ताक्षर अभियान शुरू किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग इन सबमें मूकदर्शक और भागीदार बना हुआ है।

कांग्रेस नेता ने कहा, आगामी दिनों में जब राहुल गांधी और आंकड़े सामने लाएंगे, तो पूरा देश संविधान, मतदान के अधिकार, लोकतंत्र और वास्तव में भारत की आत्मा पर हमले की गंभीरता को समझ जाएगा। हाल में सत्ता साझेदारी संबंधी बयानों के बाद कांग्रेस पार्टी द्वारा कुछ नेताओं को नोटिस जारी किए जाने के बारे में उन्होंने पार्टी में किसी भी प्रकार के असंतोष की खबरों को खारिज कर दिया। कांग्रेस महासचिव ने कहा, हमारे पीसीसी (प्रदेश कांग्रेस कमेटी) अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह अधिकृत हैं कि हर कोई पार्टी लाइन का पालन करे और अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर कुछ न बोले।'' सुरजेवाला ने कहा कि कुछ लोग भावनाओं में बहकर या किसी और वजह से भावावेश में ऐसे बयान दे देते हैं, जो पार्टी के अनुशासन के दायरे से बाहर होते हैं।

केन्द्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने दपरे महाप्रबंधक से रेल परियोजनाओं की समीक्षा की

हुब्बल्ली। केन्द्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने 3 अक्टूबर को दपरे के मुख्यालय 'रेल सौधा' में दपरे के महाप्रबंधक मुकुल सरन माथुर के साथ चल रही और प्रस्तावित रेलवे परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में हुब्बल्ली सेंट्रल के विधायक महेश तेंगिनाकाई, हुब्बल्ली-धारवाड़ की महापौर ज्योति पाटिल, हुब्बल्ली-धारवाड़ क्षेत्र के आयुक्त रुद्रेश गली, सहायक आयुक्त विजयकुमार, हुब्बल्ली डीआरएम बेला मीना, राज्य सरकार से केआईएडीबी के अधिकारी; और प्रमुख विभागाध्यक्ष (पीएचओडी) और एसडब्ल्यूआर के अधिकारी शामिल हुए। समीक्षा के दौरान, माननीय मंत्री ने कर्नाटक में हुब्बल्ली-अंकोला नई लाइन, तुमकुर-चित्रदुर्ग नई लाइन, धारवाड़-बेलगाम नई लाइन, बागलकोट-कुडाची लाइन, गदग-वाडी लाइन सहित प्रमुख परियोजनाओं की प्रगति और रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) व रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) आदि पर चल रहे कार्यों का आकलन किया। महाप्रबंधक मुकुल सरन माथुर ने आश्वासन दिया कि मंत्रीजी के मार्गदर्शन पर गंभीरता से कार्य किया जाएगा और उन्होंने कर्नाटक तथा क्षेत्र के लाभ के लिए विकास परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए दक्षिण पश्चिम रेलवे की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
Ministry of Earth Sciences
समुद्री सजीव संसाधन एवं पारिस्थितिकी केंद्र
Centre for Marine Living Resources & Ecology
अटल भवन, एलएनजी रोड, पुतुवैप साँथ, ओचनतुरुत पी.ओ., कोच्चि
Atal Bhavan, LNG Road, Puthyvype South, Ochanthuruth P.O., Kochi

F.No. MoES/CMLRE/DOM/MM/BBNJ/2025

रिक्ति विज्ञापन

समुद्री सजीव संसाधन एवं पारिस्थितिकी केंद्र (CMLRE), एक प्रमुख अनुसंधान एवं विकास संस्थान और भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय का एक संबद्ध कार्यालय, राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रमों का क्रियान्वयन कर रहा है। इन गतिविधियों को क्रियान्वित करने के लिए, CMLRE 2025-2026 के दौरान इन समयबद्ध अनुसंधान गतिविधियों में योगदान देने हेतु गतिशील, परिश्रमी, प्रेरित और नवोन्मेषी शोधकर्ताओं से परियोजना मोड पर निम्नलिखित अस्थायी पदों के लिए योग्य आवेदकों को आमंत्रित कर रहा है।

क्रम संख्या	पद	विषय	विषय मासिक पारिश्रमिक (रु.)	पदों की संख्या
1.	परियोजना वैज्ञानिक - II	कोशिका रेखा और कोशिका संवर्धन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता/ मशीन लर्निंग, आणविक जीव विज्ञान/जैव प्रौद्योगिकी।	67,000/- +HRA	3
2.	वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता/परियोजना सहयोगी II और कनिष्ठ अनुसंधान अध्येता/परियोजना सहयोगी I	समुद्री वर्गिकीविद् (कशेरुकी/अकशेरुकी), भूसूचना विज्ञान/सुदूर संवेदन, आणविक जीव विज्ञान/जैव प्रौद्योगिकी, जैवसूचना विज्ञान।	25,000-42,000+HRA	4
3.	सलाहकार (गैर-तकनीकी)	प्रशासन	35,000/माह या अंतिम मूल वेतन या मूल पेंशन, जो भी कम हो	2
4.	सलाहकार (वैज्ञानिक)	आर्थिक प्रभाव आकलन, समुद्री जैव-पूर्वेक्षण, समुद्री संरक्षित क्षेत्र, कानूनी मामले, समुद्री जीनोमिक्स	80,000 (निर्धारित)	3
		कुल पद		12

पद, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया आदि के विवरण के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.cmlre.gov.in पर जाएँ। आवेदन करने की अंतिम तिथि इस विज्ञापन के प्रकाशन की तिथि से एक माह है। साक्षात्कार की सही तिथि और स्थान उपरोक्त वेबसाइट पर पहले ही सूचित कर दिया जाएगा।

ह/-
दिनांक 04.10.2025 (कार्यालय अध्यक्ष)
cbc12110/11/0003/2526 सीएमएलआरई

सुविचार

एक बेहतरीन किताब 100 अच्छे दोस्त के बराबर है, लेकिन एक सर्वश्रेष्ठ दोस्त पुस्तकालय के बराबर है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सच्ची समृद्धि का सूत्र

मनुष्य को अपने जीवन की विभिन्न जरूरतें पूरी करने के लिए धन कमाना और उसे खर्च करना होता है। सुखी जीवन के लिए बुद्धिपूर्वक कमाने और विवेकपूर्वक खर्च करने की कला का ज्ञान होना चाहिए। ऐसे कई लोग मिल जाएंगे, जिनकी महीने की कमाई लाखों में है, फिर भी 15 तारीख आते-आते तंगी में गुजारा करने को मजबूर हो जाते हैं! वे धन कमाना तो जानते हैं, लेकिन उसे सही तरीके से खर्च करना नहीं जानते। वे इस वजह से परेशानियों का सामना करते हैं। 'तेते पांव पसारिए, जेती लांबी सौर' - जैसी कहावतें यूं ही नहीं बनी हैं। हमारे पूर्वजों ने ऐसे लोगों को देखा था, जिन्होंने धन तो खूब कमाया, लेकिन अविवेकपूर्वक खर्च करने की आदत से परेशानियों के भंवर में फंसे थे। उनके जीवन में वित्तीय अनुशासन नहीं था, इसलिए उन्हें दूसरों के सामने हाथ फैलाने पड़े थे। कोरोना काल में जब काम-धंधे ठप पड़ गए थे, तब वित्तीय अनुशासन अपनाने वाले परिवार उस संकट में मजबूती से खड़े रहे थे। वहीं, अपनी कमाई से ज्यादा खर्च करने वालों को बहुत तंगी का सामना करना पड़ा था। देश-दुनिया में ऐसे अनगिनत उदाहरण मिल जाएंगे। माइकल जैक्सन, जो पॉप संगीत के बादशाह माने जाते थे, की कमाई अरबों में थी। उनका नाम अपने समय के सबसे धनी कलाकारों में शुमार किया जाता था। वे जीवन के आखिरी वर्षों में दिवालियापन के कगार पर खड़े थे। अनियंत्रित खर्चों और गलत वित्तीय फैसलों ने एक समृद्ध कलाकार को उस मुकाम पर लाकर खड़ा कर दिया था, जिसकी उन्होंने कभी कल्पना नहीं की होगी।

भारत के एक मशहूर उद्योगपति के बेटे कभी अपनी शानो-शौकत के लिए जाने जाते थे। उन्हें अपने पिता से विरासत में इतना धन मिला था कि अगर सूझबूझ से काम लेते तो बहुत उन्नति करते। उनके गलत वित्तीय फैसलों की वजह से कंपनी की हालत खस्ता हो गई। उन पर कई बैंकों का कर्ज चढ़ गया। वे आजकल मुकदमेबाजी का सामना कर रहे हैं। इसी तरह, एक और उद्योगपति ने अपनी कंपनी के आकर्षक कैलेंडरों की वजह से खूब सुर्खियां बटोरी थीं। उनके ठाठ निराले थे। लोग उनके वीडियो देखकर कहते थे, 'किस्मत हो तो ऐसी!' अब वे उद्योगपति बैंक ऋण धोखाधड़ी के गंभीर आरोपों का सामना कर रहे हैं। भारत सरकार विदेश से उनके प्रत्यर्पण की कोशिश कर रही है। अविभाजित भारत में जन्मे और बाद में पाकिस्तान जाकर शहंशाह-ए-ग़ज़ल के तौर पर मशहूर हुए मेहदी हसन को बुढ़ापे में आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ा था। उनके परिवार को चिकित्सा खर्च के लिए मदद की गुहार लगानी पड़ी थी। ये उदाहरण बताते हैं कि धन का होना ही काफी नहीं है। उसे संभालने और खर्च करने की कला आनी चाहिए। आज भारत का मध्यम वर्ग तेजी से बदलते सामाजिक और आर्थिक माहौल में देखादेखी की आदत का शिकार हो रहा है। अगर पड़ोसी ने नई कार खरीद ली तो उसे भी चाहिए। अगर दफ्तर में किसी ने महंगा स्मार्टफोन ले लिया तो उसे भी लेना है। अगर किसी सहेली ने महंगा जेवर बनवा लिया तो उसके पास भी होना चाहिए। अमीरी का यह नकली प्रदर्शन लोगों को अनावश्यक खर्चों की ओर धकेल रहा है। इसका नतीजा यह है कि घरों में क्लेश है, जीवन में अशांति है। अनावश्यक खर्चों के मकड़जाल में ऐसे उलझे हुए हैं कि बाहर निकलने का कोई रास्ता नज़र नहीं आता। इन लोगों से तो वह व्यक्ति ज्यादा सुखी है, जो कम कमाता है, लेकिन उसमें से भी कुछ-न-कुछ बचाता है। अविवेकपूर्वक खर्च करने और कर्ज लेकर घी पीने की आदत परेशानियों को न्योता देती है। विवेकपूर्वक खर्च करने में ही सच्ची समृद्धि है।

ट्वीटर टॉक

आज हैदराबाद प्रवास के दौरान भाजपा तेलंगाना पार्टी कार्यालय में भाजपा लीगल सेल, बार काउंसिल एवं अधिवक्ता पैनल काउंसल व अन्य कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की एवं विभिन्न विधिक विषयों एवं संगठनात्मक कार्यों पर सार्थक चर्चा हुई।

-अर्जुनराम मेघवाल

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गिरिराज प्रसाद तिवाड़ी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें व शोकाकुल परिवारजनों को यह अपार दुःख सहने की शक्ति प्रदान करे।

-भजनलाल शर्मा

जमीर मारकर कुर्सियों से चिपके हुए लोग, जब सत्ता में बैठें हो तो शर्म और संवेदना कहां बचेगी! जिस मां की गोद उजड़ गई, जिसका कलेजा छिन गया, भाजपा सरकार उस मां को अपने बच्चे की मौत का जिम्मेदार बता रही है। शर्मनाक!

-गोविंद सिंह डोटासरा

प्रेरक प्रसंग

सुलझाने का धैर्य

कबीरदास अपने जीवनयापन के लिए बुनाई का काम करते थे। एक दिन वे चरखे पर सूत कात रहे थे। अचानक धागा उलझ गया। पास बैठा शिष्य बोला, 'गुरुजी, यह धागा बहुत उलझा हुआ है। इसे काटकर नया धागा शुरू करना ही ठीक रहेगा।' कबीर मुस्कुराए और बोले, 'नहीं बेटा, धागा काटना आसान है, पर उलझे धागे को सुलझाना ही असली साधना है। जीवन भी ऐसा ही है। कठिनाइयों से भाग जाना सरल है, पर धैर्य रखकर उन्हें सुलझाना ही सच्चा ज्ञान है।' शिष्य ने कहा, 'पर गुरुजी, इसमें समय बहुत लगेगा।' कबीर ने उत्तर दिया, 'समय लगना बुरा नहीं, पर अधूरा छोड़ना बुरा है। धागे की तरह ही रिश्ते, समाज और आत्मा भी कभी उलझ जाते हैं। यदि हम उन्हें काट देंगे तो नया आरंभ संभव है, पर अधूरेपन का बोझ हमेशा रहेगा। जो धैर्य से सुलझाना सीख जाता है, वही सच्चा साधक है।' यह सुनकर शिष्य ने समझा कि गुरु केवल चरखा नहीं चला रहे, बल्कि जीवन का गहरा ज्ञान दे रहे हैं। जीवन की कठिनाइयां उलझे धागों की तरह होती हैं। उन्हें काटकर भाग जाना आसान है, पर धैर्य और विवेक से सुलझाना ही सच्ची साधना और सफलता है।

सामयिक

स्वदेशी एवं स्वावलम्बन ही नये भारत का आधार

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

आज की वैश्विक परिस्थितियों पर ष्टि डालें तो भागवत के विचार और भी प्रासंगिक हो उठते हैं। दुनिया हिंसा, आतंकवाद, युद्ध और उपभोक्तावाद की अंधी दौड़ से त्रस्त है। पर्यावरण संकट दिन-प्रतिदिन गंभीर होता जा रहा है। मानसिक तनाव और आत्मकेंद्रित जीवन-शैली ने मानव को भीतर से खोखला कर दिया है। इन परिस्थितियों में भारत ही वह देश है, जो एक वैकल्पिक जीवन-दर्शन दे सकता है। भारत के पास भौतिक विकास के साथ-साथ आध्यात्मिक समृद्धि की धरोहर है। यही धरोहर भारत को विश्वगुरु बनने की पात्रता प्रदान करती है। संघ की शताब्दी वर्ष की सम्पूर्णता का उद्घोष केवल संघ के स्वयंसेवकों के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश और विश्व के लिए एक संदेश है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना महोत्सव यानी प्रत्येक वर्ष विजयदशमी के अवसर पर संघ प्रमुख का उद्बोधन एक नए संदेश और नये दृष्टिकोण के साथ सामने आता है, इस उद्बोधन का पूरा राष्ट्र इंतजार करता है। इस बार संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कई ऐसी बातें कहीं, जो सरकार के साथ समाज के लोगों का ध्यान खींचने वाली हैं। इस पर आश्चर्य नहीं कि उन्होंने अपने संबोधन में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से भारत पर थोपे गए टैरिफ की चर्चा की। 50 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ ने भारत के समक्ष जो कठिन चुनौती खड़ी कर दी है, उसका प्रभावी ढंग से सामना स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलकर ही किया जा सकता है। भागवत ने संबोधन में स्वदेशी और स्वावलंबन को नए भारत का आधार बताया है। उन्होंने कहा कि आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था में परस्पर निर्भरता एक स्वाभाविक स्थिति है, लेकिन यह निर्भरता कभी भी बंधन या मजबूरी में परिवर्तित नहीं होनी चाहिए। भारत को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ना होगा ताकि विदेशी निर्णयों और नीतियों पर हमारी नियंत्रण क्षमता सीमित न हो जाए। उनका कहना था कि स्वदेशी का अर्थ यह नहीं है कि हम दुनिया से कट जाएं, बल्कि यह है कि हम अपनी शर्तों पर और अपनी आवश्यकताओं के अनुसार संबंध बनाएं।

संघ की स्थापना का यह अवसर केवल एक उत्सव मात्र नहीं था, बल्कि यह आयोजन भारत की आत्मा और उसके भविष्य की एक गहन घोषणा थी। भागवत ने स्पष्टता और गंभीरता से अपने विचार रखे, भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में एक नया क्षितिज भी उद्घाटित किया। यह आयोजन संघ के सौ वर्ष सम्पूर्णता की साधना का मूल्यांकन ही नहीं, बल्कि आने वाले सौ वर्षों की दिशा का भी उद्घोष था। नई इबारत लिखते हुए भागवत ने स्पष्ट कहा कि संघ की कार्यप्रणाली का सार है, नए मनुष्य एवं सशक्त-स्वावलम्बी भारत का निर्माण। यह विचार सुनने में सरल लग सकता है, किंतु इसके निहितार्थ अत्यंत गहरे हैं। समाज और राष्ट्र की सारी समस्याओं का मूल व्यक्ति के भीतर छिपा है। इसीलिये देश के सभी वर्गों को एकसूत्र में जोड़ने के संकल्प के साथ संघ आगे बढ़ेगा क्योंकि जब तक व्यक्ति का चरित्र, दृष्टि और आचरण नहीं बदलते, तब तक कोई भी व्यवस्था स्थायी रूप से परिवर्तित नहीं हो सकती। संघ व्यक्ति-निर्माण के माध्यम से समाज और राष्ट्र को बदलने की दीर्घकालिक साधना कर रहा है। यही कारण है कि संघ के कार्य का परिणाम केवल शाखाओं या कार्यक्रमों में नहीं मापा जा सकता, बल्कि उस अदृश्य लेकिन ठोस नैतिक शक्ति एवं सशक्त राष्ट्रीय भावना में देखा जा सकता है, जो धीरे-धीरे समाज की दिशा बदल रही है।

भागवत ने स्पष्ट किया कि आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक दृष्टि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक, सांस्कृतिक और जीवन मूल्यों से भी जुड़ी हुई है। उन्होंने विविधता को भारत की विशेषता बताया और समाज में विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर चेताया। उन्होंने पंच परिवर्तन की संकल्पना भी प्रस्तुत की जिसमें आत्मजागरूकता, पारिवारिक मूल्य, नागरिक अनुशासन और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता को जोड़ा गया है। इस संदेश के सकारात्मक पक्ष अनेक हैं। यदि इसे गंभीरता से अपनाया जाए तो यह देश की आर्थिक और सामाजिक स्थिति को नई दिशा दे सकता है। स्थानीय उद्योगों, हस्तशिल्प और कृषि को बढ़ावा देने से रोजगार का सृजन होगा और आर्थिक आत्मसम्मान मजबूत होगा। स्वदेशी पर बल देने से विदेशी निर्भरता घटेगी और देश की सुरक्षा व नीति संबंधी स्वतंत्रता बढ़ेगी। यदि समाज के स्तर पर भी इस सोच को अपनाया जाए तो उपभोक्तावाद के स्थान पर संवेदनशीलता और सेवा भाव विकसित होगा। विविधता के सम्मान और सामाजिक सद्भाव के आग्रह से राष्ट्र अधिक एकजुट और शक्तिशाली बन सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जिस आत्मनिर्भर भारत का आह्वान कर रहे हैं, उसका मूल उद्देश्य केवल आर्थिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं है। यह संदेश देश की घरेलू क्षमताओं को सशक्त बनाने, आयात पर निर्भरता घटाने और स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ विकास की दिशा को व्यापक सामाजिक सरोकारों से भी जोड़ता है, जिसमें महात्मा गांधी की स्वदेशी अपनाओ' और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की अंत्योदय' की परिकल्पना स्पष्ट तौर पर समाहित है।

स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलकर ही नया भारत-सशक्त भारत का निर्माण किया जा सकता है। इस बात को सरकार भी रेखांकित कर चुकी है और अब संघ प्रमुख ने भी दोहरा दिया। यह समय की मांग है कि स्वदेशी और स्वावलंबन पर तब तक बल दिया जाए, जब तक वांछित सफलता न मिल जाए। जहां सरकार को स्वदेशी की राह को आसान करना होगा, वहीं समाज को सहयोग देने के लिए तत्पर रहना होगा। इस उम्मीद में नहीं रहा जाना चाहिए कि अमेरिका के साथ शीघ्र ही आपसी व्यापार समझौता हो जाएगा। एक तो जब तक ऐसा हो न जाए तब तक चैन से नहीं बैठा जा सकता और दूसरे, यदि ऐसा हो जाए तो भी भारत को स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलना छोड़ना नहीं चाहिए। व्यापारिक साझेदारों पर निर्भरता लाचारी में नहीं बदलनी चाहिए। वास्तव में इस स्थिति से बचने का ही उपाय है स्वदेशी उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करना। परंतु इस संदेश के साथ कई चुनौतियां और सीमाएं भी जुड़ी हुई हैं। आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था इतनी आपस में गुँथी हुई है कि किसी भी देश का पूर्ण स्वावलंबन व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है। अनेक तकनीकें और कच्चे माल अब भी हमें विदेशों से ही प्राप्त करने होते हैं। यदि स्वदेशी को बढ़ावा देने के नाम पर विदेशी व्यापार पर प्रतिबंध या अधिक शुल्क लगाए जाते हैं तो यह व्यापार युद्ध और आर्थिक तनाव को जन्म दे सकता है। इस संदेश की सफलता केवल भाषणों और भावनात्मक नारों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए बल्कि ठोस नीतियों, बजट, शोध और योजनाओं के आधार पर इसे अमल में लाना होगा।

सामाजिक दृष्टि से भी यह आवश्यक है कि स्वदेशी और स्वावलंबन का नारा केवल एक सांस्कृतिक या राजनीतिक रंग में न ढल जाए। यह तभी कारगर होगा जब इसे हर वर्ग, हर धर्म और हर क्षेत्र का साझा लक्ष्य बनाया जाएगा। नागरिकों की आदतों और व्यवहार में बदलाव लाना आसान नहीं है, लेकिन यदि यह बदलाव शिक्षा, प्रोत्साहन और जनचेतना के माध्यम से लाया जाए तो यह नारा समाज में गहरी जड़ें जमा सकता है। संघ प्रमुख का यह संदेश नए भारत की दिशा में प्रेरणा का स्रोत है। यह हमें बताता है कि हमें अपनी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक शक्ति पर गर्व करना चाहिए, वैज्ञानिक और तकनीकी दृष्टि से सशक्त होना चाहिए और विश्व के साथ संवाद स्थापित करते हुए भी अपनी स्वायत्तता को बनाए रखना चाहिए। किंतु इसके लिए आलोचनात्मक विवेक, व्यावहारिक सोच और निरंतर समीक्षा की आवश्यकता है। आज विभिन्न देशों की परस्पर मित्रता का आधार अपने-अपने आर्थिक-कूटनीतिक हित हैं। इन स्थितियों में सर्वोत्तम उपाय स्वदेशी को बल देते हुए देश को आत्मनिर्भर बनाना है।

आज की वैश्विक परिस्थितियों पर दृष्टि डालें तो भागवत के विचार और भी प्रासंगिक हो उठते हैं। दुनिया हिंसा, आतंकवाद, युद्ध और उपभोक्तावाद की अंधी दौड़ से त्रस्त है। पर्यावरण संकट दिन-प्रतिदिन गंभीर होता जा रहा है। मानसिक तनाव और आत्मकेंद्रित जीवन-शैली ने मानव को भीतर से खोखला कर दिया है। इन परिस्थितियों में भारत ही वह देश है, जो एक वैकल्पिक जीवन-दर्शन दे सकता है। भारत के पास भौतिक विकास के साथ-साथ आध्यात्मिक समृद्धि की धरोहर है। यही धरोहर भारत को विश्वगुरु बनने की पात्रता प्रदान करती है। संघ की शताब्दी वर्ष की सम्पूर्णता का उद्घोष केवल संघ के स्वयंसेवकों के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश और विश्व के लिए एक संदेश है। यह संदेश है- स्वावलम्बी एवं स्वदेशी भावना को बदल देना, नए मनुष्य का निर्माण करना, गरीब को उठाना, धर्मों को जोड़ना, समाज में समरसता स्थापित करना और हिंदुत्व की व्यापक जीवन दृष्टि के आधार पर विश्व को दिशा देना। यह केवल भाषण नहीं, बल्कि एक संकल्प है।

नजरिया

एक-दूसरे के पूरक हैं मनुष्य और पशु

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584

पशुओं के कल्याण मानकों में सुधार को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 4 अक्तूबर को 'विश्व पशु कल्याण दिवस' मनाया जाता है। विश्व पशु दिवस पहली बार बर्लिन में 24 मार्च 1925 को पशु कल्याण के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से मनाया गया था। पशुओं की लुप्तप्राय प्रजातियों की दुर्दशा को उजागर करने के लिए इटली के फ्लोरेंस में 1931 में आयोजित पारिस्थितिकीविदों के एक सम्मेलन में विश्व पशु दिवस की शुरुआत की गई और तब असीसी के सेंट फ्रांसिस के पर्व के कारण यह दिवस मनाने के लिए प्रतिवर्ष 4 अक्तूबर को ही चुना गया। 2003 में पहली विश्व पशु दिवस वेबसाइट यूके स्थित पशु कल्याण चैरिटी नेचर वॉच फाउंडेशन' द्वारा लांच की गई थी। इस दिन पशु अधिकारों को बढ़ावा देने वाले व्यक्तियों एवं संगठनों का समर्थन करके जानवरों के प्रति प्यार, देखभाल, स्नेह और सुरक्षा को प्रोत्साहित करता है। पशुओं के अधिकारों के लिए यह एक ऐसी वैश्विक पहल है, जिसका प्रमुख उद्देश्य पशु कल्याण के लिए बेहतर मानक सुनिश्चित करना है।

पशु प्रेम के बारे में महात्मा गांधी कहते थे कि किसी राष्ट्र की महानता और उसकी नैतिक प्रगति का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि वहां जानवरों के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है। पशु मानव जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जो न केवल हमारे जीवन को समृद्ध बनाते हैं बल्कि हमें बेहतर इंसान भी बनाते हैं। पारिस्थितिकी तंत्र में सभी जानवर प्रकृति की पारिस्थितिकी को संतुलित रखते हुए हमारे पर्यावरण की रक्षा करने और मानव स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में भी समान रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मनुष्य और पशु न केवल एक-दूसरे पर निर्भर हैं बल्कि एक-दूसरे के पूरक भी हैं। सही मायनों में दोनों का अस्तित्व ही खुशहाली का प्रतीक है और यदि जंगल से किसी एक जीव की प्रजाति भी लुप्त होती है तो उसका असर सम्पूर्ण पर्यावरण पर पड़ता है।

विश्व पशु दिवस विश्वभर में कल्याण मानकों के मिशन के साथ जानवरों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए एक ऐसा सामाजिक आन्दोलन है, जो प्रतिवर्ष एक निर्धारित थीम के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष 'विश्व पशु कल्याण दिवस' की थीम है 'जानवरों को बचाओ, ग्रह को बचाओ!'। भारत में करीब 70 फीसद आबादी कृषि तथा कृषि संबंधी व्यवसायों पर निर्भर है। प्राचीन काल से ही पशुपालन और कृषि व्यवसायों का आपस में गहरा संबंध रहा है। गरीबी से त्रस्त परिवारों के लिए तो पशुधन ग्रामीण मुद्राएं हैं, जो खासकर गरीब परिवारों के लिए बीमा विकल्प के रूप में भी कार्य करता है क्योंकि यह उनके लिए ऐसी सम्पत्ति है, जिसे संकट के समय बेचा जा सकता है। यही कारण है पालतू पशुओं को पशुधन' कहा जाता है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में भी पशुधन की बड़ी भागीदारी रही है।

मानव और पशुओं के आपसी संबंध मानव जीवन के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं क्योंकि पशुओं का मानवीय समाज में विभिन्न रूपों में योगदान होता है। पशुओं के साथ रहने से हमें स्वभाविक संवेदनशीलता, प्यार, सहयोग और उन्नति का अनुभव होता है। बहुत से पशु-पक्षी तो ऐसे हैं, जो यदि धरती पर नहीं हों तो पृथ्वी पर मनुष्य का जीना ही मुश्किल हो जाएगा। अनेक मामलों में देखा जाता है कि मानवीय स्वार्थ के लिए कई जानवरों की निर्मम हत्या कर दी जाती है। दरअसल इन पशुओं के विभिन्न अंग तथा उनके मल-मूत्र इत्यादि दवाईयां बनाने से लेकर खेतीबाड़ी तक में काम आते हैं और इनके कंकाल उर्वरक का काम करते हैं। हाथियों को हाथी दांत और गैंडे को उसके सींगों के लिए बेदर्दी से मौत के घाट उतार दिया जाता है जबकि उनकी प्राकृतिक मौत होने पर ये चीजें वैसे ही मिल जानी होती हैं। हाथी और गैंडे कीचड़ में रहकर दूसरे जानवरों के पीने के लिए किनारे पर पानी का इंतजाम करते हैं और सूखा नहीं पड़ने देते। हाथी जमीन को उपजाऊ बना सकता है जबकि गैंडा कीचड़ में रहकर मिट्टी की अदला-बदली का काम करता है और प्रतिदिन करीब पचास किलो वनस्पति की खुराक होने से जंगल में कूड़ा-कर्कट नहीं होने देता। उसके शरीर पर फसल के लिए हानिकारक कीड़े जमा हो जाते हैं, जो पक्षियों का भोजन बनते हैं। इस प्रकार गैंडे प्राकृतिक संतुलन बनाए रखते हैं। वैसे तो सभी पशु-पक्षी मनुष्य के सहायक होते हैं लेकिन उनके व्यवहार को समझे बगैर यदि उनके रहने की जगहों को उजाड़ने के प्रयास किए जाते हैं तो वे हिंसक होकर विनाश कर सकते हैं।

तुर्की के विख्यात नाटककार, उपन्यासकार और विचारक मेहमत मूरत इल्डन का कहना था कि दुनिया में वन्यजीवों की रक्षा केवल दयालु दिलों के प्यार से ही की जा सकती है। वाइल्ड हार्ट वाइल्ड लाइफ फाउंडेशन के संस्थापक पॉल ऑक्सटन कहते थे कि जब तक आपके भीतर प्रकृति के बीच रह रहे जंगली जीवों के प्रति ढ़ेर सारा प्यार, दया और लगाव नहीं रहेगा, तब तक आप सच्चा सुख हासिल नहीं कर पाएंगे। मानव जाति को यह समझना होगा कि पशुओं का जीवन किसी भी तरह से हमारे जीवन से कम कीमती नहीं है। जैव विविधता के जनक' के नाम से विख्यात आधुनिक काल के डार्विन कहे जाने वाले हार्वर्ड विश्वविद्यालय के पूर्व जीवविज्ञानी और पुलित्जर पुरस्कार विजेता ईओ विल्सन के अनुसार पृथ्वी पर प्रत्येक प्रजाति अत्यधिक देखभाल एवं प्रतिभा के साथ बनाई गई रचना और एक उत्कृष्ट कृति है। वन्यजीव फोटोग्राफर, प्रकृतिवादी और जॉय ऑफ बीयर्स' सहित कुछ पुस्तकों की लेखिका सिल्विया डोल्सन कहती हैं कि हमारी ही तरह जानवर भी प्यार, खुशी, डर और दर्द महसूस करते हैं लेकिन वे बोले गए शब्द को समझ नहीं पाते, अतः यह हमारा दायित्व है कि हम उनकी ओर से बोलें और सुनिश्चित करें कि उनकी भलाई और जीवन का सम्मान एवं सुरक्षा हो। इसके लिए प्रकृति और पशुओं के साथ अपने संबंधों में मनुष्य को सभ्य बनाना आवश्यक है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

इजराइली सैनिकों ने अपने कब्जे में लिया फ्लोटिला,ग्रेटा थनबर्ग तथा कई यूरोपीय सांसद सुरक्षित

दीर अल बलाह (गाजा पट्टी)। तीन अक्टूबर (एपी) गाजा के इजराइली घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे फलस्तीनियों के लिए मानवीय सहायता ले जा रहा एक बड़े जहाज (फ्लोटिला) को इजराइली सैनिकों ने अपने कब्जे में ले लिया है और उसमें सवार जलवायु कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग तथा कई यूरोपीय सांसदों के निर्वासन की ''प्रक्रिया'' शुरू करने के लिए उन्हें इजराइल ले जाया जा रहा है। इजराइल के विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी। इजराइली नौसेना के सैनिक गाज़ा की नाकेबंदी तोड़ने की कोशिश कर रहे एक बेड़े (फ्लोटिला) के अधिकतर जहाज़ों पर चढ़ गए और दर्जनों कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। 'द ग्लोबल सुमुद फ्लोटिला' नामक इस काफिले में लगभग 50 छोटे जहाज शामिल हैं, जिन पर करीब 500 लोग सवार हैं। यह काफिला गाजा के घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे फलस्तीनियों के लिए मानवीय सहायता ले जा रहा था, जिसमें मुख्य रूप से खाद्य सामग्री और दवाइयां शामिल हैं। इस बीच गाजा पट्टी में इजराइली हमलों और गोलीबारी में कम से कम 57 फलस्तीनी मारे गए। इजराइल ने यह हमला ऐसे वक्त किया है जब हमास ने लगभग दो साल से जारी युद्ध को समाप्त कराने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रस्ताव पर फिलहाल कोई निर्णय नहीं लिया है।

ट्रंप ने जो योजना पेश की है उसके तहत हमास को सभी 48 बंधकों को वापस करना होगा और सैकड़ों फलस्तीनी कैदियों की रिहाई और लड़ाई समाप्त करने के बदले में सत्ता छोड़नी होगी और निरस्त्रीकरण करना होगा। ट्रंप के इस प्रस्ताव को इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने स्वीकार कर लिया है लेकिन इस प्रस्ताव में फलस्तीन को देश के तौर पर मान्यता देने के बारे में कोई बात नहीं कही गई है। फलस्तीन के लोग चाहते हैं कि युद्ध समाप्त हो जाए लेकिन कई लोगों का मानना है कि ट्रंप की शांति योजना इजराइल के पक्ष वाली हैं। हमास के एक अधिकारी ने 'एसोसिएटेड प्रेस' से कहा प्रस्ताव की कुछ शर्तें अस्वीकार्य हैं, हालांकि उन्होंने उन शर्तों में बारे में विस्तार से कोई जानकारी नहीं दी। दो प्रमुख मध्यस्थ देशों कतर और मिस्र ने भी कहा कि कुछ मुद्दों पर और बातचीत की आवश्यकता है। नासिर अस्पताल के अनुसार दक्षिणी गाजा में इजराइली गोलीबारी में कम से कम 29 लोग मारे गए। वहां के अधिकारियों ने बताया कि उनमें से 14 लोग उस स्थान पर मारे गए जिसे इजराइली सैन्य गलियारे के तौर पर जाना जाता है और जहां लोगों को जरूरत का सामान दिया जाता है।

मध्य शहर दीर अल-बलाह के अल-अक्सा शहीद अस्पताल के अधिकारियों ने कहा कि इजराइली हमलों में 16 लोग मारे गए हैं जिनके शव अस्पताल लाए गए। 'डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स' ने कहा कि उनके एक व्यावसायिक चिकित्सक की दीर अल-बलाह में बस का इंतज़ार करते समय एक हमले में मौत हो गई और चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस अंतरराष्ट्रीय संस्था ने 42 वर्षीय चिकित्सक उमर हायेक को ''अत्यंत दयालु और पेशेवर चिकित्सक'' करार दिया। गाजा सिटी में शिफा अस्पताल के स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि पांच शव और कई घायल अस्पताल लाए गए।अन्य अस्पतालों ने इजराइली गोलीबारी में सात और लोगों की मौत की सूचना दी है।

राहुल गांधी संविधान की ताकत में भरोसा नहीं करते : फड़णवीस

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने कोलंबिया में एक बातचीत के दौरान लोकतंत्र पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की टिप्पणी की आलोचना करते हुए शुक्रवार को कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की दादी इंदिरा गांधी ने भारत में निरंकुशता लाने की कोशिश की थी।

फड़णवीस ने मुंबई में 'साइबर जागरूकता माह' कार्यक्रम का उदघाटन करने के बाद संवाददाताओं से कहा, राहुल गांधी भारत के संविधान की ताकत में विश्वास नहीं करते। ऐसा इसलिए है क्योंकि उन्हें भारत का इतिहास नहीं पता। उन्होंने कहा, उनकी (राहुल की) दादी इंदिरा गांधी ने संविधान में बदलाव करके देश में निरंकुशता लाने की कोशिश की, लेकिन भारतीयों ने उन्हें नकार दिया।

फड़णवीस ने कहा, यह डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर द्वारा भारतीयों को दिया गया संविधान है। किसी में भी इसे कमजोर करने की शक्ति नहीं है। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी ''लगातार झूठ बोलते'' हैं।

कोलंबिया के मेडेलिन स्थित ईआईए विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम में राहुल गांधी ने कहा था कि चीन की तुलना में भारत की प्रणाली कहीं अधिक जटिल है और भारत की ताकत पड़ोसी देश से काफी अलग है।

विपक्ष के नेता ने कहा था,''मैं भारत को लेकर बहुत आशावादी हूं, लेकिन साथ ही, भारतीय ढांचे में कुछ कमियां भी हैं, कुछ जोखिम भी हैं जिनसे भारत को पार पाना होगा। सबसे बड़ा जोखिम भारत में लोकतंत्र पर हो रहा हमला है। उन्होंने आरोप लगाया, वर्तमान में, भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था पर व्यापक हमला हो रहा है, इसलिए यह एक जोखिम है। दूसरा बड़ा जोखिम है विभिन्न विचारधाराएं -- विभिन्न धर्म, विभिन्न भाषाएं। इन विभिन्न परंपराओं को फलने-फूलने देना, उन्हें खुद को व्यक्त करने के लिए स्थान देना भारत जैसे देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हम वह नहीं कर सकते जो चीन करता है, यानी लोगों का दमन करना और एक अधिनायकवादी व्यवस्था चलाना।

फड़णवीस ने सत्तारूढ़ भाजपा पर हमले के लिए शिवसेना(उबाठा)नेता उद्धव ठाकरे पर भी निशाना साधा।

शिवसेना(उबाठा) अध्यक्ष ठाकरे ने मुंबई में आयोजित पार्टी की दशहरा रैली को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)की तुलना 'एकल-कोशिका वाले जीव अमीबा' से की थी।

इस पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए फड़णवीस ने ठाकरे को 'निराश नेता' करार दिया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, कल उन्होंने जो भी टिप्पणी की, उससे वास्तव में मेरे 1,000 रुपए बच गए। मैंने कहा था कि अगर वह विकास के बारे में एक भी शब्द बोलेंगे तो मैं 1,000 रुपए खर्च करूंगा।

फिल्म 'भागवत चैप्टर वन: राक्षस' का 14 अक्टूबर को होगा जी5 पर प्रीमियर

नयी दिल्ली/एजेन्सी

ओटीटी मंच 'जी 5' ने शुक्रवार को घोषणा की कि अरशद वारसी और जितेंद्र कुमार अभिनीत फिल्म भागवत चैप्टर वन: राक्षस का प्रीमियर 17 अक्टूबर को इसी मंच पर होगा। 'बावेजा स्टूडियोज' और 'डॉग 'एन' बोन पिक्चर्स' के साथ मिलकर 'जियो स्टूडियोज' द्वारा बनायी गयी यह फिल्म उत्तर प्रदेश के रॉबर्ट्सगंज की पृष्ठभूमि पर आधारित एक थ्रिलर कहानी है। इसका निर्देशन अक्षय शेरे ने किया है। इस फिल्म में वारसी को पुलिस निरीक्षक विश्वास भागवत के रूप में दिखाया गया है, जो एक परेशान पुलिस अधिकारी है एवं कई क्रूर हत्याओं की जांच कर रहा है। इसमें 'पंचायत' वेबसीरीज के कलाकार जितेंद्र कुमार नये आश्चर्यजनक रूप में हैं और उन्होंने समीर नामक युवक की भूमिका निभायी है।

'मेरी बेटी से मांगी थी अश्लील फोटो...' साइबर क्राइम पर अक्षय कुमार ने देवेंद्र फड़णवीस से की खास अपील

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई में साइबर जागरूकता माह अक्टूबर 2025 का शुभारंभ हुआ, जहां महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस और बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार को देखा गया। कार्यक्रम का आयोजन महाराष्ट्र पुलिस मुख्यालय में हुआ, जहां अक्षय कुमार ने अपनी बेटी के साथ हुई साइबर क्राइम की घटना का जिक्र किया और देवेंद्र फड़णवीस से विनती करते हुए कहा कि हर स्कूल में बच्चों को 'साइबर' को सब्जेक्ट के तौर पर पढ़ाया जाए। अक्षय कुमार ने कार्यक्रम में कहा, मैं आपको उस घटना के बारे में बताना चाहता हूं जो कुछ महीनों पहले मेरे घर में घटी थी। मेरी बेटी ऑनलाइन गेम खेल रही थी और उस गेम में कई लोग शामिल होते हैं जिन्हें हम नहीं जानते। वहां से मैसेज आता है, 'बहुत अच्छा खेला, वेरी गुड,' और फिर सवाल आता है कि 'तुम कहां रहती हो?' मेरी बेटी ने लोकेशन बता दी। फिर कुछ दिन सब कुछ नॉर्मल हो गया, और फिर मैसेज आता है'मेल हो या फीमेल?' मेरी बेटी उसका भी जवाब देती है। उसके बाद वो अचानक उससे अश्लील फोटोज की डिमांड करता है और मेरी बेटी इस बारे में मेरी पत्नी को बताती है। एक्टर आगे कहते हैं, ये अच्छा हुआ कि मेरी बेटी ने अपनी मां से ये परेशानी शेयर की..लेकिन कुछ केस में ये नहीं हो पाता है। ये भी एक तरह का साइबर क्राइम है और ऐसे ही शुरुआत होती है मैं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस से रिक्वेस्ट करता हूं, जैसे स्कूलों में बच्चे हिस्ट्री सीखते हैं, मैथ्स सीखते हैं..ऐसे ही बच्चों को साइबर के बारे में पढ़ाया जाए। डिजिटल वर्ल्ड की जानकारी के लिए बच्चों को ये जानना बहुत जरूरी है।

बता दें कि अक्षय कुमार की बेटी नितारा 12 साल की हैं। एक्टर मीडिया की नजरों से अपनी बेटी को हमेशा बचाकर रखते हैं।

जवानों से मिले सुनील शेट्टी, देश के प्रति समर्पण और हार्डवर्क को लेकर की बात

मंगलुरु/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी ने फिल्म बॉर्डर और एलओसी: कारगिल में सैनिक का किरदार निभाकर अपने फैंस के बीच अलग पहचान बनाई थी। एक मुलाकात के दौरान अभिनेता ने सीआईएसएफ जवानों के साथ उनके हार्डवर्क, देश के प्रति समर्पण, फिटनेस, डिसिप्लिन और वर्क-लाइफ बैलेंस जैसे मुद्दों पर खुलकर बात की। सुनील शेट्टी गांधी जयंती के अवसर पर सीआईएसएफ यूनिट एएसजी मंगलुरु गए थे। अभिनेता ने सीआईएसएफ कर्मियों के अदम्य साहस को सलाम किया। अभिनेता ने सीआईएसएफ के जवानों के साथ फोटो भी खींची।

अभिनेता को दशहरा के मौके पर आयोजित एक इवेंट में देखा गया था, जहां उन्होंने स्टेज पर मौजूद कलाकारों का हौसला बढ़ाया और फिर मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे। सुनील शेट्टी ने फैंस को दशहरा की बधाई देते हुए लिखा, दशहरा सिर्फ एक त्योहार नहीं है... यह मेरी जड़ों की ओर वापसी है... पीली नालिके की दहाड़ तक, देवी मंदिर की शांति, और मूल्यों की आग मैं अपने अंदर लेकर चलता हूं... जहां संकल्प श्री राम सा हो... वहां हर रावण की हार तय है।

अभिनेता के इस पोस्ट को फैंस ने खूब सराहा गया और उन्होंने खुलकर पोस्ट की तारीफ की।

वर्क फ्रंट की बात करें तो एक्टर फिल्मों से लेकर वेब सीरीज तक में सक्रिय हैं। उनकी बैक-टू-बैक कई फिल्में आ रही हैं। अभिनेता की 'हेरा-फेरी-3,' 'केसरी वीर' और 'वेलकम टू द जंगल' जैसी फिल्में आने वाली हैं। ये सभी फिल्में अगले साल 2026 में फ्लोर पर आएंगी। फिल्मों की शूटिंग पूरी हो चुकी है, जबकि एक्टर की रोमांटिक ड्रामा 'इन गलियों में,' 'नादानियां'' और 'धारावी बैंक' जैसी फिल्में रिलीज हो चुकी हैं।

एक्टर ने साल 1992 में फिल्म 'बलवान' से फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था। ये फिल्म एक एक्शन से भरपूर ड्रामा फिल्म थी। पहली ही फिल्म के बाद इंडस्ट्री में एक्टर ने खुद की एक्शन हीरो के तौर पर पहचान बना ली, जिसके बाद एक्टर को 'रक्षक', 'टक्कर', 'विनाशक', 'टैंगो चार्ली' और 'शूट आउट एट लोखंडवाला' जैसी फिल्मों में देखा गया। सुनील शेट्टी ने अपनी फिल्मों के लिए अवॉर्ड भी जीते। एक्टर को फिल्म 'धड़कन' के लिए बेस्ट विलेन का फिल्मफेयर अवॉर्ड और 2011 में फिल्म 'रेड अलर्ट' के लिए बेस्ट एक्टर का स्टारडस्ट सर्चलाइट अवॉर्ड मिला था।

मैं मौजूदा स्थिति को चुनौती देने से कभी नहीं डरी : दीपिका पादुकोण

मुंबई/एजेन्सी

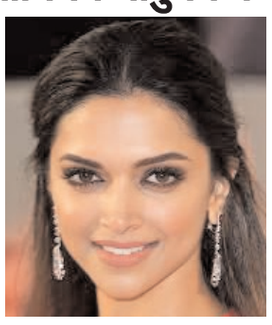

हाल ही में आईएमडीबी की पिछले 25 वर्षों में 'भारतीय सिनेमा की सबसे अधिक चर्चित हस्तियों' की सूची जारी हुई थी। बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने इसमें टॉप पांच में जगह बनाई थी। दीपिका ने कहा कि उन्हें अक्सर बताया जाता था कि एक महिला के रूप में उन्हें अपने करियर की राह कैसे तय करनी चाहिए, लेकिन वह कभी भी मौजूदा स्थिति को चुनौती देने से नहीं डरीं। इस सूची में शाहरुख खान पहले स्थान पर रहे, आमिर खान और ऋतिक रोशन दूसरे स्थान पर रहे, और दीपिका पादुकोण तीसरे स्थान पर रहीं।

दीपिका पादुकोण ने एक इंटरव्यू में कहा, जब मैंने अपना सफर शुरू किया था, तो मुझे अक्सर बताया जाता था कि सफल होने के लिए एक महिला को अपना करियर कैसे तय करना चाहिए या उससे क्या अपेक्षा की जाती है। हालांकि, शुरू से ही मैं सवाल पूछने, लोगों को नाराज करने, मुश्किल रास्ते पर चलने और मौजूदा स्थिति को चुनौती देने से कभी नहीं डरी ताकि हम सभी से जिस ढांचे में ढलने की उम्मीद की जाती है, उसे नया रूप दे सकूं।

इसके साथ ही दीपिका पादुकोण ने फैंस को उनके फैसलों के साथ खड़े रहने के लिए धन्यवाद भी कहा। दीपिका ने आगे कहा, मेरे परिवार, प्रशंसकों और सहयोगियों का मुझ पर जो भरोसा रहा, उसने मुझे अपने फैसले लेने और चुनने की हिम्मत दी है। मुझे उम्मीद है कि यह रास्ता आने वाली पीढ़ियों के लिए हमेशा बदलाव लाएगा। भारतीय सिनेमा के 25 सालों पर आईएमडीबी की रिपोर्ट इस विश्वास को मजबूत करती है कि ईमानदारी, प्रामाणिकता और लचीलापन महत्वपूर्ण हैं, और अपने मूल सिद्धांतों पर डटे रहकर बदलाव लाना संभव है।

बता दें कि हाल ही में दीपिका पादुकोण को फिल्म 'कल्कि एडी 2898' से बाहर किया गया था। इसके बाद उन्होंने एक क्रिप्टिक पोस्ट में अपने फैसलों के साथ खड़े होने की बात कही थी। इससे पहले उन्हें संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म से भी हटाया गया था।

फिल्म निर्देशक कानु बहल की फिल्म 'आगरा' नवंबर में रिलीज होगी

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म निर्देशक कानु बहल की समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फीचर फिल्म 'आगरा' देश भर के सिनेमाघरों में 14 नवंबर को रिलीज होगी। निर्माताओं ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। इस फिल्म की पटकथा बहल और अतिका ङ्कचौहान ने तैयार की है। फिल्म की कहानी एक परिवार के भीतर यौन जटिलताओं से संबंधित है। फिल्म का वैश्विक स्तर पर पहली बार प्रदर्शन वर्ष 2023 के कान फिल्म फेस्टिवल के स्वतंत्र खंड 'डायरेक्टर्स फोर्टनाइट' में किया गया और इसने 'जियो मामी मुंबई फिल्म फेस्टिवल' में विशेष जूरी पुरस्कार, 'इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न' में बेस्ट इंडी फिल्म एवं सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और 2024 में 'न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल' में सर्वश्रेष्ठ फिल्म एवं सर्वश्रेष्ठ अभिनेता समेत कई पुरस्कार जीते हैं।

यह फिल्म भारत और फ्रांस की कंपनियों की साझेदारी से बनी है जिसमें सारेगामा इंडिया लिमिटेड, यूएफओ प्रोडक्शन और ओ28 फिल्म्स ने सहयोग किया है। 'आगरा' निर्देशक बहल की 'तितली' (2015) के बाद दूसरी फीचर फिल्म है।

इस फिल्म के साथ वापसी कर रहे कलाकारों में राहुल रॉय के साथ 'लायन' फेम प्रियंका बोस, अपनी पहली फिल्म कर रहीं मोहित अग्रवाल, दक्षिण अभिनेता रूहानी शर्मा और अनुभवी कलाकार विभा छिब्बर, सोनल झा और आंचल गोस्वामी शामिल हैं। बहल ने एक बयान में कहा कि शायद फिल्म 'आगरा' का निर्माण उनके जीवन की अब तक की सबसे कठिन यात्रा रही है। सारेगामा इंडिया लिमिटेड के फिल्म्स एवं इवेंट्स के कार्यकारी उपाध्यक्ष सिद्धार्थ आनंद कुमार ने कहा कि कंपनी यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि भारतीय दर्शकों को ऐसी फिल्में देखने को मिलें।

पहले का फैशन था बिना टेंशन वाला : करीना

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान ने हाल ही में अवॉर्ड्स नाइट की पुरानी यादें साझा कीं। उन्होंने इसकी एक तस्वीर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन में फैंस के साथ शेयर की है। यह तस्वीर 42वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स की है, जिसमें वह बॉलीवुड अभिनेता अक्षय खन्ना के साथ पहली पंक्ति में बैठी दिखाई दे रही हैं। इस फोटो में वह सिंपल लुक में नजर आ रही हैं, जैसे वह किसी घर की पार्टी में गई हैं। इसे शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, जब हम अपनी पोलो नेक और जैकेट पहनते थे और आराम से बैठकर अभिनेताओं को अपनी ब्लैक लेडी (अवॉर्ड) का स्वागत करते देखते थे।उन्होंने इसके जरिए यह बताया कि तब के दौर में फैशन कितना सरल और सहज हुआ करता था। आज तो एक स्टार के लुक के लिए पूरी टीम होती है, क्या पहनना है और क्या नहीं, इसकी प्लानिंग कई दिनों पहले से ही की जाती है। तब महंगे स्टाइलिश और डिजाइनर आउटफिट्स का जमाना नहीं था। इसमें उन्होंने अपनी बहन करिश्मा कपूर की फिल्म का गाना 'आए हो मेरी जिंदगी में' भी लगाया है। इस फोटो की खास बात यह है कि इसमें अमिताभ बच्चन और अभिषेक बच्चन भी उनके पीछे बैठे दिख रहे हैं। उन दोनों ने भी पारंपरिक भारतीय कपड़े पहने हुए हैं। करीना की इस पोस्ट ने फैंस को उन दिनों की याद दिला दी जब करीना कपूर और अक्षय खन्ना की जोड़ी हलचल फिल्म में दिखाई दी थी। यह फिल्म 2003 में रिलीज हुई थी। वर्क फ्रंट की बात करें तो, करीना कपूर खान अब अपनी आने वाली फिल्म दायरा में शूटिंग में जुटी हैं। इसे मशहूर फिल्म निर्माता मेघना गुलजार डायरेक्ट कर रही हैं। दोनों की जोड़ी को साथ काम करने को लेकर फैंस अभी से ही बहुत उत्साहित हैं। कुछ दिनों पहले उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग की कुछ तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की थीं। इसमें फिल्म के कुछ अहम सीन्स को फिल्माते हुए अभिनेत्री को देखा गया था। इस फिल्म में करीना के अलावा अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन भी मुख्य भूमिका में हैं। वह इसमें पुलिस अफसर के किरदार में नजर आएंगे। 'दायरा' एक क्राइम-ड्रामा थ्रिलर फिल्म है।

फिल्म 'द ताज स्टोरी' के निर्माताओं ने स्पष्टीकरण जारी किया

नयी दिल्ली/एजेन्सी

अभिनेता परेश रावल की आगामी फिल्म 'द ताज स्टोरी' के पोस्टर में उन्हें ताजमहल का गुंबद हटाते और उसमें से भगवान शिव की मूर्ति निकलते हुए दिखाए जाने को लेकर भारी विवाद खड़ा हो गया है। इस पर फिल्म निर्माताओं ने कहा कि यह फिल्म 'किसी धार्मिक मामले से संबंधित नहीं है।' 'स्वर्णिम ग्लोबल सर्विस प्राइवेट लिमिटेड' के बैनर तले बन रही इस फिल्म का निर्देशन तुषार अमरीश गोयल ने किया है। उसका निर्माण सीए सुरेश झा ने किया है। रावल और फिल्म निर्माताओं ने सोमवार को फिल्म का पोस्टर जारी किया। पोस्टर के शीर्षक में लिखा है, क्या होगा अगर आपको जो कुछ भी पढ़ाया-सिखाया गया है वह सब झूठ हो? सच सिर्फ छिपाया नहीं गया है, उसे परखा भी जा रहा है। 31 अक्टूबर को अपने नज़दीकी सिनेमाघरों में 'द ताज स्टोरी' के साथ सच्चाई को जानिए। इस पर तीखी प्रतिक्रिया हुई और कई सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने इसे 'दुष्प्रचार' और 'फर्जी' करार दिया है।

'स्वर्णिम ग्लोबल सर्विस प्राइवेट लिमिटेड' ने कुछ ही देर बाद एक बयान जारी कर इसका जवाब दिया। उसने कहा, फिल्म 'द ताज स्टोरी' के निर्माता स्पष्ट करते हैं कि यह फिल्म किसी भी धार्मिक मुद्दे से संबंधित नहीं है, न ही यह दावा करती है कि ताजमहल के अंदर कोई शिव मंदिर है। यह पूरी तरह से ऐतिहासिक तथ्यों पर केंद्रित है। हम आपसे अनुरोध करते हैं कि आप फिल्म देखें और अपनी राय बनाएं। लेकिन बहस थमने का नाम नहीं ले रही है। कई लोगों ने कहा कि यह हाल में रिलीज हुई 'द उदयपुर फाइल्स' और 'द बंगाल फाइल्स' जैसी फिल्मों के बाद सिनेमा में 'प्रोपगैंडा' का नवीनतम उदाहरण प्रतीत होता है। एक व्यक्ति ने 'एक्स' पर लिखा, पोस्टर को देखकर ऐसा लगता है कि यह ताजमहल को एक धार्मिक स्थल के रूप में चित्रित करने का प्रयास है। ताजमहल दो प्रेमियों की कब्र है। इससे ज़्यादा कुछ नहीं।

एक अन्य ने 'एक्स' पर लिखा, मध्य काल में, भारत आए सभी यूरोपीय यात्रियों, चाहे वे फ्रांस्वा बर्नियर हों, जीन-बैप्टिस्ट टैवर्नियर हों या पीटर मुंडी, सभी ने ताजमहल को मंदिर नहीं, बल्कि शाहजहां द्वारा निर्मित एक मकबरा बताया था। एक अन्य उपयोगकर्ता ने 'द ताज स्टोरी' जैसी फिल्म बनाने के लिए रावल की आलोचना की। उसने कहा, क्या पतन है सर, परेश रावल, 'ओह माई गॉड' से नकली 'द ताज स्टोरी' तक आ गये। उसका इशारा 2012 में आई समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्म 'ओह माई गॉड' की ओर था, जिसमें उन्होंने एक नास्तिक वकील की भूमिका निभाई थी, जिसने ईश्वर पर मुकदमा किया था। एक व्यक्ति ने सोशल मीडिया पर लिखा, फिल्म 'द ताज स्टोरी' उस खारिज किए गए दावे को फिर से जीवित करती है कि ताजमहल कभी एक हिंदू मंदिर था। इतिहासकार इसे छद्म इतिहास बताकर खारिज करते हैं, लेकिन आलोचकों को डर है कि यह सांप्रदायिक विभाजन को बढ़ावा देगा। ताज 17वीं सदी की मुगलकालीन कृति है - भारत की साझा विरासत।

रावल 2014 से 2019 तक अहमदाबाद पूर्व से भाजपा सांसद थे। हालांकि फिल्म की कथानक अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन निर्माताओं ने पहले एक बयान में कहा था कि यह फिल्म 'ताजमहल के 22 बंद दरवाजों के पीछे छिपे सवालों और रहस्यों' को उजागर करती है। निर्माताओं ने दावा किया कि फिल्म 'भारतीय इतिहास के एक ऐसे अध्याय को प्रस्तुत करने का वादा करती है, जिसे पहले कभी किसी ने प्रस्तुत करने की हिम्मत नहीं की।' इसी साल 14 अगस्त को, 70 वर्षीय रावल ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म का एक छोटा सा दृश्य साझा किया था। उन्होंने इसके शीर्षक में लिखा था, आज़ादी के 79 साल बाद भी क्या हम बौद्धिक आतंकवाद के गुलाम हैं? अदालत के दृश्य में रावल जिस किरदार में न्यायाधीशों के सामने बहस कर रहे हैं, उसे यह कहते हुए दिखाया गया, आजादी के 78 साल बाद भी हमारी सोच, नजरिया उन्हीं लोगों के तलवे चाट रहा है, जिन्होंने लेश मात्र संकोच नहीं किया, हमारी पूरी सुरक्षा को खत्म करने की, हमारे अस्तित्व को मिटाने की। यह किरदार कहता है, यदि हम उन्हें आज नहीं उठाते, तो हमारा इतिहास और हमारा अस्तित्व सिर्फ सवाल बनकर रह जाएंगे। 'द ताज स्टोरी' में जाकिर हुसैन, अमृता खानविलकर, स्नेहा वाघ और नमित दास जैसे अन्य कलाकार भी हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

बेंगलूरु | शनिवार | 04-10-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

श्रमण संघीय उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी के सान्निध्य में डॉ वरुणमुनिजी की प्रेरणा से गुजराती वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ गांधीनगर के तत्वावधान में 5 अक्टूबर को सरदार पटेल भवन वसंतनगर में प्रातः 9 बजे से आध्यात्मिक जगत के नौ महापुरुषों के जन्म-दीक्षा-पुण्यतिथि समारोह का आयोजन किया जा रहा है।

माता की चौकी में सजा शेरांवाली का दरबार, बही भजनों की रसधारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । स्थानीय शिव शक्ति जागरण समिति और उत्तर प्रदेश सेवा मंडल के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को जेपी नगर स्थित सौदामिनी कल्याण मंडप में आयोजित माँ दुर्गा चौकी व जागरण समारोह में माँ शेरांवाली का दरबार सजाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में पहुँचे माता के भक्तों ने माँ के दर्शन कर पूजा की। पंडित रमाकांत मिश्र के मार्गदर्शन में माँ की पूजा की गई और सामूहिक हवन में 19 जोड़ों ने भाग लिया। दोपहर में माँ शेरांवाली के जयकारों की गूँज के साथ भजन गायक सुरेश चौहान, श्रुति पुरोहित एवं विनय पाण्डेय ने भक्ति रस की मंदाकिनी प्रवाहित की। अंत में माँ अम्बे की सामूहिक मंगल आरती की गई ।

कार्यक्रम के दौरान उत्तरप्रदेश सेवा मंडल के अध्यक्ष कृष्णकांत दुबे, सचिव वीके पटेल, पूर्व अध्यक्ष एनके गुप्ता, पूर्व सचिव योगेश मित्तल सहित भजन गायकों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में शिवशक्ति जागरण समिति के चेयरमैन विजयचंद पाण्डेय, मुख्य व्यवस्थापक अमरेश शुक्ला एवं पंकज पाण्डेय, जटाशंकर मिश्रा आदि उपस्थित थे।

दुर्गा मूर्ति विसर्जन में उमड़े भक्तगण, माता को दी विदाई

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जेपी नगर के कोथनूर मैन रोड पर जय माता दी सेवा ट्रस्ट द्वारा आयोजित नवरात्रि दशहरा महोत्सव के तहत गुरुवार को विजयदशमी के अवसर पर अयोध्या से आए रघुनन्दन दास ने भजनों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर पांडाल में पहाड़ और झरने की सजावट से माता रानी का दरबार भक्तों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। इस अवसर पर भंडारे का भी आयोजन किया गया। शुक्रवार को प्रातः काल वेला में हजारों की संख्या में एकत्रित लोगों ने विसर्जन यात्रा में भाग लिया तथा माँ जगदंबा की मूर्ति का विसर्जन किया। विसर्जन के मौके पर समिति के अध्यक्ष शम्भू सिंह एवं अन्य पदाधिकारियों के साथ यजमान कुमोद सिंह, रणधीर सिंह, आचार्य संतोष तिवारी एवं अन्य ने नम नेत्रों से माता को विदा किया।

आध्यात्मिक जगत के नवरत्नों का मनाया जाएगा जन्म-दीक्षा-पुण्य स्मृति समारोह

सरदार पटेल भवन में रविवार को होगा मुख्य कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्रमण संघीय उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी के सान्निध्य में डॉ वरुणमुनिजी की प्रेरणा से गुजराती वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ गांधीनगर के तत्वावधान में 5 अक्टूबर को सरदार पटेल भवन वसंतनगर में प्रातः 9 बजे से आध्यात्मिक जगत के नौ महापुरुषों के जन्म-दीक्षा-पुण्यतिथि समारोह का आयोजन किया जा रहा है जिसमें कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत, लोकसभा सांसद तेजस्वी सूर्या, कर्नाटक के मंत्री दिनेश गुंडूराव सहित अन्य अतिथि शामिल होंगे। कार्यक्रम में जैन संतश्री बसंतमुनिजी, पुलकित कुमारजी, ध्यानयोग विजयजी, साध्वी निर्मलाजी, आगमश्रीजी, रिद्धिश्रीजी, पवनरत्नाश्रीजी, जिनांगनिधिश्रीजी आदि नौ महापुरुषों के गुणगान करेंगे। मुनिश्री ने बताया कि इस वर्ष गुरु अमर संयम अमृत वर्ष का समापन महोत्सव गांधीनगर गुजराती संघ में होगा। रूपेशमुनिजी ने बताया कि महोत्सव में श्रुताचार्य अमरमुनिजी द्वारा संपादित विश्व में प्रथम बार प्रकाशित सचित्र उत्तराध्ययन सूत्र(चतुर्थ संस्करण,) सचित्र भगवती सूत्र, सचित्र भक्तामर महिमा एवं सचित्र अमर कथाओं का लोकार्पण किया जाएगा। संघ के प्रमुख राजेश मेहता ने बताया कि यह महामहोत्सव पंचदिवसीय कार्यक्रमों के रूप में मनाया जा रहा है। शुक्रवार को अन्नदान किया गया। शनिवार को आयंम्बिल तप दिवस मनाया जाएगा तथा आयंम्बिल तप की सामूहिक आराधना तुरखिया जैन भवन में होगी।

संघ के उपाध्यक्ष भरत मोदी एवं महामंत्री चेतन अजमेरा ने बताया कि महोत्सव में राजेश मेहता को संघ शिरोमणि दानवीर भामाशाह, श्राविका संतोष जैन को गुरु अमर मानव सेवा सम्मान, आल इंडिया जैन कान्फ्रेंस के राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष विपुल जैन को गुरु अमर भक्त रत्न सम्मान एवं सुश्री प्रियंका जैन को गुरु अमर श्रुत साहित्य सेवा सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। कोषाध्यक्ष प्रशांत जैन व सहमंत्री राजेशकुमार ने बताया कि महोत्सव में बेंगलूरु सहित दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, तमिलनाडु ,आंध्र प्रदेश, तेलंगाना व अन्य अनेक राज्यों से बड़ी संख्या में गुरुभक्त शामिल होंगे।

देवसांद्रा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शताब्दी वर्ष मनाया गया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के देवसांद्रा नगर के अमर ज्योति कॉलेज में गुरुवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का विजयादशमी उत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया।

संघ ने अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण किए हैं। इस आयोजित उत्सव में केआर पुरम, राममूर्ति नगर सहित अनेक शाखाओं के स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि के रूप में रिकबचंद मेहता ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संघ ने समाज को एकजुट करने और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना जगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस अवसर पर संघ के अनेक सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम में सैकड़ों स्वयंसेवकों ने गणवेश में उपस्थित होकर विजयादशमी पर्व की सांस्कृतिक व आध्यात्मिक महत्ता को आत्मसात किया।

अलसूर झील में अश्रुपूरित नेत्रों से माता को दी विदाई

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय सिद्धार्थ सांस्कृतिक समिति एवं राजेन्द्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में प्रिंसेस श्राइन सभागार में आयोजित 47वां दशहरा महोत्सव विधि-विधान एवं हर्षोल्लास से सम्पन्न हुआ। बुधवार को नवमी पूजन, कन्या पूजन एवं सायं आरती के पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए। गुरुवार को दशमी पूजन एवं आरती के पश्चात नम आंखों से अलसूर लेक कल्याणी में मां भगवती, भगवान गणेश, मां लक्ष्मी, मां सरस्वती एवं भगवान कार्तिकेय की प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। अध्यक्ष केके सिंह, उपाध्यक्ष अमित सिंह, सचिव सुबोध सिंह, कोषाध्यक्ष शेषनाथ दुबे तथा कार्यकारिणी समिति के सभी सदस्यों ने श्रद्धालुओं व भक्तों को धन्यवाद दिया।

वैशाली जनकल्याण समिति ने नम आंखों से दी मां दुर्गा को विदाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय वैशाली जनकल्याण समिति के तत्वावधान में बीटीएम लेआउट स्थित तोटदा सिद्धलिंगेश्वरा कम्युनिटी हॉल में आयोजित नवरात्रि दशहरा महोत्सव गुरुवार को माता दुर्गा की प्रतिमा के विसर्जन के साथ सम्पन्न हुआ। विसर्जन के लिए माता की शोभायात्रा निकाली गई जिसमें उपस्थित श्रद्धालुओं ने माता को नम आँखों से विदाई दी। विदाई यात्रा में लगभग 200 श्रद्धालु शामिल हुए। माँ दुर्गा की प्रतिमा को पूरे वैदिक मंत्रोच्चार और रीति-रिवाज के साथ मायलासांद्रा झील में विसर्जित किया गया। समिति के अध्यक्ष राजकुमार शर्मा, सचिव मुकेश सिंह सहित अन्य पदाधिकारियों ने व्यवस्था संभाली। अध्यक्ष ने सभी को धन्यवाद दिया।

'एक शाम बालाजी के नाम' भजन संध्या का आयोजन 9 नबम्बर को

एफटीएस युवा टीम जुटी है आयोजन की तैयारियों में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय फ्रेंड्स वेलफेयर सोसायटी(एफटीएस) युवा द्वारा 9 नवम्बर को पैलेस ग्राउंड स्थित प्रिंसेस श्राइन सभागार में 'एक शाम बालाजी के नाम' का आयोजन किया जा रहा है। इस भजन संध्या में चंडीगढ़ से प्रसिद्ध भजन गायक कन्हैया मित्तल अपनी 12 सदस्यीय टीम के साथ भजनों की प्रस्तुतियां देंगे। युवा अध्यक्ष प्रितेश बुरड़ ने बताया कि युवा टीम इस चौथे संस्करण को और भी ऐतिहासिक बनाने के लिए लगातार तैयारियों में जुटी हुई है। सचिव विकास गुप्ता ने बताया कि इस आयोजन का पोस्टर वनबंधु परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश माहेश्वरी एवं कार्यकारी अध्यक्ष त्रिभुवनदास काबरा ने लांच किया। इस अवसर पर वनबंधु परिषद बेंगलूरु चैप्टर से मुरारीलाल सरावगी, सुरेन्द्र गोयल, रमेश अग्रवाला, बिमल सरावगी, बेंगलूरु चैप्टर के अध्यक्ष हाथीमल बैद, सचिव वैभव गुप्ता, पूर्व युवा अध्यक्ष विक्रम अग्रवाल, युवा मेंटोर आशीष गुप्ता सहित चैप्टर, महिला व युवा समिति के सदस्य उपस्थित थे।अमित सिंह, गौरव अग्रवाल एवं जयप्रकाश अग्रवाल को संयोजक पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस अवसर पर युवा कार्यकारी अध्यक्ष पवन राजलीवाल, कोषाध्यक्ष साकेत गर्ग ने बताया कि आयोजन के लिए समाज के विभिन्न वर्गों से सहयोग मिल रहा है। युवा टीम के सदस्य तैयारियों में जुटे हुए हैं ।

मां प्रतिमा के विसर्जन के साथ सम्पन्न हुआ 'परिषद' का दशहरा महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर की सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद व राजेन्द्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आरटी नगर स्थित विनायक कल्चरल सेन्टर में आयोजित सार्वजनिक दशहरा महोत्सव में बुधवार को सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित आगामी वर्ष के कैलेंडर का विमोचन किया गया। इस समारोह में केन्द्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे, कट्टा जगदीश, कर्नाटक के पूर्व डीजीपी आशीत मोहनप्रसाद सहित अनेक अतिथि शामिल हुए।

गुरुवार को आरटी नगर से दुर्गा प्रतिमा की विसर्जन शोभायात्रा निकाली गई तथा अलसूर लेक में मूर्ति का विसर्जन किया गया। नवयुवक व महिला मंडल के अनेक सदस्य इसमें शामिल हुए। दुर्गा पूजा के अध्यक्ष उदय कुमार, सचिव पंडित राजगुरु, परिषद के अध्यक्ष एसके उपाध्याय, संयोजक हरिश्चंद्र झा ने सबको धन्यवाद दिया।

आशापुरा माता धाम में नवरात्रि महोत्सव व ध्वजारोहण सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के बन्नरघट्टा रोड स्थित आशापुरा धाम में बुधवार को दुर्गानवमी पूजा के तहत विनायकजी, खेतलाजी एवं माताजी का विशेष श्रृंगार किया तथा तथा विशेष भोग अर्पित किया गया। इसके बाद धाम की 12वीं वर्षगांठ निमित्त ध्वजारोहण समारोह विधिवत मंत्रोच्चार के बीच सम्पन्न हुआ। ट्रस्ट मंडल एवं ध्वजा लाभार्थी परिवारों द्वारा 10 दिनों से निरंतर चल रहे शतचंडी पाठ, हवन एवं पूजन की पूर्णाहुति की गई। माताजी को चढ़ाई गई चुनरी और श्रृंगार सामान भेंट किया गया। विजयादशमी के मौके पर बन्नरघट्टा सर्कल पर आयोजित अन्नदान कार्यक्रम में लगभग 2 हजार लोगों ने भोजन किया। ट्रस्ट मंडल, युवा मंडल एवं महिला मंडल के अनेक सदस्यों ने महोत्सव की व्यवस्था सम्भाली।

दुर्गा पूजा — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के जेएमडी ट्रस्ट द्वारा ताटगुनी स्थित दुर्गा देवी मंदिर में दशहरा महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां को चुनरी चढ़ाकर पूजा की। मुणोत ने कहा कि जहां नारी का सम्मान होता है वहां सुख, समृद्धि,आनंद, खुशियां और प्यार ही प्यार होता है। गायक कलाकार आशीष पांडे ने भजनों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर अनेक भक्त उपस्थित थे।

केआरएस रोड़ सीरवी समाज बडेर में नवरात्रि महोत्सव सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। यहाँ की केआरएस रोड़ स्थित सीरवी समाज बडेर में नवरात्रि महोत्सव बुधवार को हर्षोल्लास से संपन्न हुआ। महोत्सव में आबाद आशाना पार्टी ने भजनों की प्रस्तुति दी तो नृत्य कलाकार तरुण सांचौरी ने विभिन्न प्रकार के नृत्य प्रस्तुत किए। समाज के संस्थापक सुराराम सोलंकी ने भजन मण्डली का सम्मान किया। शुक्रवार को मंदिर परिसर में अखंड व्रत करने वालों का सम्मान कर पारणा करवाया गया। सीरवी समाज के अध्यक्ष मोटाराम सोलंकी, उपाध्यक्ष प्रभुराम पंवार, गैर मंडल के अध्यक्ष रूपाराम राठौर, आईजी सेवा संघ के अध्यक्ष चेनाराम राठौड़, सचिव मोहनलाल चोयल, आईजी सीरवी महिला मंडल की उपाध्यक्ष नीतू सोलंकी, सचिव कमला देवी बर्फ़ा, आदि ने व्यवस्था संभाली।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें
दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com